www.bharatsamvad.live
R.N.I.No- MAHHIN/2017/74173

सत्य का स्वर

भारत संवाद

मुंबई, प्रयागराज और लखनऊ से प्रकाशित

सोशल मीडिया पर भारत संवाद
https://x.com/BharatSamvad
www.facebook.com/bharatsamvad.in
www.youtube.com/@BharatSamvad-m3n
E-Paper bharatsamvad.live

मौसम
अधिकतम तापमान 30.c
27.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 98.755g
चांदी 107,000kg

2 विकसित भारत की ओर एक और बड़ा कदम, ब्रिटेन के साथ ट्रेड से अर्थव्यवस्था और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा
मालदीव 150 साल में बौद्ध से इस्लामी देश बना 04

वर्ष :09 | अंक :35 | मुंबई , शनिवार , 26 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 2: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बिजनौर में कुत्तों के हमले में बुजुर्ग महिला की मौत

उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में बृहस्पतिवार को कुत्तों के हमले में खेत में काम कर रही एक बुजुर्ग महिला की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश सोलंकी ने बताया कि अफजलगढ़ थाना क्षेत्र के सलावतनगर गांव में मुन्नी देवी (62) अपने खेत में अकेली धान की रोपाई कर रही थी। तभी कुत्तों के एक झुंड ने उस पर हमला कर दिया। सोलंकी ने बताया कि कुत्तों ने मुन्नी देवी के शरीर को जगह-जगह से नोंच डाला। शोर सुनकर आए ग्रामीणों ने कुत्तों को भगाया लेकिन तब तक मुन्नी की मौत हो गई। उसके शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

कन्नूर केंद्रीय कारागार से फरार हुआ हत्या मामले का दोषी गोविंदाचामी पकड़ा गया

केरल में 2011 के सौम्या हत्याकांड में आजीवन कारावास की सजा काट रहा गोविंदाचामी उच्च सुरक्षा वाली कन्नूर केंद्रीय जेल से शुक्रवार को फरार हो गया था, हालांकि पुलिस ने कुछ घंटे की तलाश के बाद उसे पकड़ लिया। टेलीविजन चैनलों पर प्रसारित वीडियो के अनुसार, दोषी गोविंदाचामी को कन्नूर शहर की सीमा के भीतर थलाप में स्थित एक खंडहर इमारत के पास से पकड़ा गया। गोविंदाचामी का बायां हाथ नहीं है। खबरों के अनुसार, वह इमारत के पास एक कुएं के अंदर छिपा हुआ था। शोरनूर के पास मंजक्कड़ की 23 वर्षीय सौम्या से एक फरवरी 2011 को एनार्कुलम से शोरनूर जा रही एक यात्री ट्रेन में अकेले सफर करते समय गोविंदाचामी ने कथित तौर पर बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी थी। गोविंदाचामी को सौम्या की नृशंस हत्या का दोषी ठहराया गया था। इस मामले ने पूरे देश को झकझोर दिया था और इससे सार्वजनिक परिवहन में महिलाओं की सुरक्षा पर व्यापक बहस छिड़ गई थी।

मोदी में दम नहीं है, मीडिया वालों ने सिर्फ गुब्बारा बना रखा है...

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर बड़ा हमला, मैं दो-तीन बार मिला हूं, उन्हें लोगों ने सिर पर चढ़ा रखा है

टिप्पणी

राहुल गांधी ने कहा कि मैं अपने काम के बारे में सोचता हूं कि मैंने कहां ठीक काम किया और कहां कमी रह गई, तो मुझे 2-3 बातें दिखती हैं। जमीन अधिग्रहण बिल, मनरेगा, भोजन का अधिकार, ट्राइबल बिल, नियामगिरी की लड़ाई, ये सारे काम मैंने ठीक किए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कई बार मिल चुके हैं और उनमें कोई दम नहीं है। उन्होंने कांग्रेस ओबसी भागीदारी न्याय सम्मेलन में यह टिप्पणी की। राहुल गांधी ने अपने भाषण के दौरान जब यह सवाल किया कि देश में सबसे बड़ी समस्या क्या हैं तो वहां मौजूद किसी व्यक्ति ने प्रधानमंत्री का नाम लिया। इस पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, नरेन्द्र मोदी कोई बड़ी समस्या नहीं हैं। मीडिया वालों ने सिर्फ गुब्बारा बना रखा है। मैं उनसे मिल चुका हूं, उनके साथ कमरे में बैठा हूं। बस शो हैं, कोई दम नहीं है। अपनी बात को आगे दोहराते हुए नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ये मेरा निजी अनुभव है की उनमें दम नहीं है। कांग्रेस सांसद ने भारत की नौकरशाही में वंचित और हाशिए पर पड़े समुदायों के कम प्रतिनिधित्व को लेकर भी केंद्र सरकार पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा, दलित, पिछड़े वर्ग, आदिवासी और अल्पसंख्यक मिलकर देश की लगभग 90% आबादी बनाते हैं। लेकिन बजट तैयार होने के बाद जब हलवा बांटा जा रहा था, तो इस 90% आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाला कोई नहीं था। यही 90% आबादी देश की उत्पादक शक्ति है। इसलिए हमें लोगों को समझाना चाहिए कि नरेन्द्र मोदी देश को गुमराह कर रहे हैं और झूठ बोलने वाले प्रधानमंत्री देश, समाज का भला नहीं कर सकते। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया, मोदी जी खुद को ओबीसी बोलते हैं, पहले वो सामान्य वर्ग में थे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद अपनी जाति को ओबीसी की सूची में डाल दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ झूठ बोलते हैं: खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को कहा कि उनकी पार्टी ने अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) को आगे लाने के लिए योजना बनाई है तथा पार्टी शासित राज्यों में इस वर्ग के कल्याण के लिए योजनाएं शुरू की जाएंगी। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ झूठ बोलते हैं और ओबीसी और वंचित समुदायों के कल्याण के लिए कोई काम नहीं हो रहा।खरगे ने कांग्रेस के ओबीसी भागीदारी न्याय सम्मेलन में कहा, नरेन्द्र मोदी झूठों के सरदार हैं। झूठ बोलना ही उनका काम है।

राहुल के भाषण की बड़ी बातें...

- मोदी कहते हैं 'हिंदू इंडिया', जबकि 50% हिंदू तो ओबीसी हैं। अगर हिंदू इंडिया है तो मीडिया और कार्पोरेट कंपनी में ओबीसी क्यों नहीं हैं? बड़े-बड़े एंकरों की लिस्ट में ओबीसी वर्ग के लोग क्यों नहीं हैं? ये लोग एससीएसटी ओबीसी वर्ग की जमीनें छीनकर अडाणी को दे रहे हैं, इनके सिस्टम में कोई ओबीसी नहीं है।
- बीजेपी के नेता कहते हैं कि हम हिंदुस्तान से अंग्रेजी को मिटा देंगे। आप उनसे पूछिए- आपके बच्चे कहां पढ़ते हैं? आपके बच्चे विदेश में पढ़ते हैं, क्या वे वहां हिंदी मीडियम में पढ़ते हैं? हिंदी, तमिल, बंगाली, कन्नड़, सभी रीजनल भाषाएं जरूरी हैं, लेकिन इनके साथ में अंग्रेजी भी जरूरी है।
- मेरा सवाल है कि अगर आप खून-पसीने और मेहनत से देश को बनाते हैं, तो देश आपको क्या देता है? जवाब है- के जरिए ओबीसी, आदिवासियों, दलितों के अधिकारों की हत्या कर दी जाती है।

भारत ने मालदीव को 4850 करोड़ का कर्ज दिया

'हम आपके सबसे भरोसेमंद दोस्त' मुइज्जू ने चीन वाली गलती सुधारी तो भारत ने भर दी मालदीव की झोली

मोदी बोले- भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी

भारत-मालदीव संबंधों पर बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारे लिए दोस्ती हमेशा पहले आती है। भारत मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी है। भारत की पड़ोसी पहले नीति और महासागर विजन में मालदीव का अहम स्थान है।

एजेंसी

माले , पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर मालदीव पहुंचे। यहां उनका गार्ड ऑफ ऑनर से स्वागत किया गया। खुद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू उन्हें लेने एयरपोर्ट पर पहुंचे थे। इस दौरान राजधानी माले में लोगों ने 'मोदी जिंदाबाद' के नारे लगाए। इसके बाद मोदी और मुइज्जू ने द्विपक्षीय मीटिंग की। इस दौरान भारत ने मालदीव को 4,850 करोड़ रुपए की लाइन ऑफ क्रेडिट (कर्ज) दिया की और फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर बात की।दोनों देशों के डिप्लोमैटिक संबंधों के 60 साल पूरे पर स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। इसके साथ मालदीव में 6 कम्युनिटी डेवलपमेंट परियोजनाओं को शुरू किया गया। मोदी ने कहा कि भारत को मालदीव का सबसे भरोसेमंद दोस्त होने पर गर्व है। चाहे संकट हो या महामारी, भारत हमेशा सबसे पहले उनके साथ खड़ा रहा है। चाहे आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता हो या कोविड के बाद अर्थव्यवस्था को संभालना हो, भारत ने हमेशा साथ मिलकर काम किया है।

संबंधों को सुधारने के लिए खास मोदी का दौरा

1. द्विपक्षीय संबंधों में सुधार: 2022 और 2023 में मालदीव में भारत के खिलाफ 'इंडिया आउट' कैंपेन चलाया गया था। हालांकि, बाद में राष्ट्रपति मुइज्जू ने अपने रुख में बदलाव किया और भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए।
2. रणनीतिक महत्व: मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का खास पड़ोसी है। यह दौरा भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' पॉलिसी और 'विजन सागर' को मजबूती देती है। जिसका मकसद क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा है।

राजस्थान के झालावाड़ में स्कूल बिल्डिंग गिरी, 7 बच्चों की मौत:9 की हालत गंभीर

5 टीचर सस्पेंड; शिक्षा मंत्री बोले- जिम्मेदार तो मैं ही हूं

राजस्थान के झालावाड़ में शुक्रवार सुबह एक प्राथमिक विद्यालय की इमारत की छत गिरने से छह छात्रों की मौत हो गई और 15 से ज्यादा घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब बच्चे कक्षा में थे। पिपलोदी प्राथमिक विद्यालय में मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया

एजेंसी

अकलेरा (झालावाड़), राजस्थान के झालावाड़ में सरकारी स्कूल की बिल्डिंग का हिस्सा गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई है, वहीं 9 गंभीर घायल हैं। मनोहरथाना ब्लॉक के पिपलोदी सरकारी स्कूल की क्लास में शुक्रवार सुबह बच्चे बैठे थे, तभी कमरे की छत ढह गई और 35 बच्चे दब गए थे। ग्रामीणों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर मलबा हटाकर बच्चों को निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। मनोहरथाना हॉस्पिटल के अनुसार 5 बच्चों की मौत मौके पर ही हो गई थी, वहीं 2 ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। हादसे को लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुख जताया है। उधर, मामले में शिक्षा विभाग ने स्कूल की हेड मास्टर समेत 5 टीचर को सस्पेंड कर दिया है। वहीं घटना की जिम्मेदारी के सवाल पर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा- जिम्मेदार तो मैं ही हूं।

प्रार्थना के लिए सभी बच्चों को इकट्ठा किया था

गांववालों ने बताया- वहां सुबह से बारिश हो रही थी। प्रार्थना का समय हुआ तो सभी क्लास के बच्चों को स्कूल के ग्राउंड में इकट्ठा करने की बजाय कमरे में बैठा दिया, ताकि वे भीगे नहीं। इसके कुछ देर बाद छत गिर गई ।

सरकार की बड़ी कार्रवाई

आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट परोसने पर 25 ओटीटी एप्स पर लगाया बैन

स्टोरीबोर्ड 18 द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने पाया कि ये प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक विज्ञापन और अश्लील सामग्री प्रदर्शित कर रहे थे - जो कई भारतीय कानूनों का उल्लंघन था। मंत्रालय ने एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर आईएसपी को भारतीय क्षेत्र में इन ऐप्स और वेबसाइटों तक पहुँच प्रतिबंधित करने का निर्देश दिया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय (एमआईबी) ने कथित तौर पर इंटरनेट सेवा प्रदाताओं (आईएसपी) को भारत भर में 25 ओटीटी ऐप्स और वेबसाइटों तक सार्वजनिक पहुँच को अवरुद्ध करने का निर्देश दिया है। ऑनलाइन अश्लील और पोर्नोग्राफिक सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उल्लू, बिग शॉट्स ऐप, ऑल्ट बालाजी और देसीफ्लिक्स जैसे लोकप्रिय प्लेटफॉर्म को सामग्री उल्लंघन के कारण बंद कर दिया गया है।

25 ओटीटी पर आपत्तिजनक सामग्री के लिए कार्रवाई

स्टोरीबोर्ड18 द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट के अनुसार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने पाया कि ये प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक विज्ञापन और अश्लील सामग्री प्रदर्शित कर रहे थे

प्रतिबंधित ओटीटी ऐप्स की सूची

- उल्लूऑल्ट बालाजी
- बिग शॉट्स ऐप
- जलवा ऐप
- वाउ एंटरटेनमेंट
- लुक एंटरटेनमेंट
- हिटप्राइम
- फेनियो
- शोएक्स
- सोल टॉकीज
- कंगन ऐप
- बुल ऐप
- अड्डा टीवी
- हॉटएक्स वीआईपी
- डेसिफ्लिक्स
- बूमेक्स
- नवरसा लाइट
- गुलाब ऐप
- फुगी
- मोजफ्लिक्स
- हलचल ऐप
- मूडएक्स
- नियॉनएक्स वीआईपी
- ट्रिफ्लिक्स
- ऐप्स पर प्रतिबंध क्यों लगाया गया?

आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में परिसीमन नहीं होगा

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

एजेंसी

सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विधानसभा सीटों की संख्या बढ़ाने के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। मामले की सुनवाई करते हुए, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दोनों राज्यों के खिलाफ कथित भेदभाव की दलील को खारिज कर दिया और कहा कि राज्यों में परिसीमन से संबंधित प्रावधान केंद्र शासित प्रदेशों की तुलना में अलग हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के लिए जारी परिसीमन अधिसूचना से आंध्र प्रदेश और तेलंगाना को बाहर रखना मनमाना या भेदभावपूर्ण नहीं था और इसलिए संवैधानिक है ।इसके अलावा, शीर्ष न्यायालय ने के पुरुषोत्तम रेड्डी द्वारा दायर याचिका को भी खारिज कर दिया, जिन्होंने केंद्र को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम की धारा 26 को लागू करने का निर्देश देने की मांग की थी, जो दोनों राज्यों में विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन से संबंधित है।

शस्त्र के साथ शास्त्र का भी ज्ञान

ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस चौहान का बड़ा बयान, सेना 24 घंटे तैयार है

सीडीएस चौहान ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा युद्ध में कोई दूसरा नहीं होता, और ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए, जो अभी भी जारी है; हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए। दिल्ली में एक रक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए सीडीएस चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी उन्नत हो गई है और योद्धाओं को युद्ध के तीनों स्तरों अर्थात सामरिक, परिचालन और रणनीतिक में महारत हासिल करने की आवश्यकता है।

एजेंसी

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी संगठनों के खिलाफ भारत का सैन्य अभियान ऑपरेशन सिंदूर जारी है और सेनाएं दूसरी तरफ से किसी भी दुस्साहस के लिए चौबीसों घंटे तैयार हैं। सीडीएस चौहान ने कहा कि जैसा कि मैंने पहले कहा युद्ध में कोई दूसरा नहीं होता, और ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए, जो अभी भी जारी है; हमारी तैयारी का स्तर बहुत ऊंचा होना चाहिए। दिल्ली में एक रक्षा संगोष्ठी में बोलते हुए सीडीएस चौहान ने कहा कि प्रौद्योगिकी उन्नत हो गई है और योद्धाओं को युद्ध के तीनों स्तरों अर्थात सामरिक, परिचालन और रणनीतिक में महारत हासिल करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हम प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास से प्रेरित एक अभूतपूर्व गति देख रहे हैं।

जेलरवाला बाग-वजीरपुर में राहुल गांधी

बेघर हुए लोगों के बने हमदर्द, न्याय का दिलाया भरोसा

कांग्रेस नेता ने झुग्गियों का निरीक्षण किया और लोगों से बात की, जिन्होंने बेघर होने की अपनी समस्याएँ साझा कीं। गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया कि कांग्रेस उनके साथ है और उनकी लड़ाई को अदालत तक ले जाएगी। उन्होंने लोगों को यह मुद्दा संसद में उठाने का भी आश्वासन दिया।

एजेंसी

संसद के चल रहे मानसून सत्र के बीच, कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अशोक विहार स्थित जेलरवाला बाग और वजीरपुर झुग्गियों का दौरा किया, जहाँ पिछले महीने कई घर गिराए गए थे। कांग्रेस नेता ने झुग्गियों का निरीक्षण किया और लोगों से बात की, जिन्होंने बेघर होने की अपनी समस्याएँ साझा कीं। गांधी ने उन्हें आश्वासन दिया कि कांग्रेस उनके साथ है और उनकी लड़ाई को अदालत तक ले जाएगी। उन्होंने लोगों को यह मुद्दा संसद में उठाने का भी आश्वासन दिया।

भड़के बोले- आपातकाल के 50 साल बाद भी नहीं बदली मानसिकता

चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों पर भड़के सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के लिए चुनाव आयोग पर बेतुके आरोप लगाने के लिए कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह संवैधानिक संस्थाओं को चुनाव जीते या नहीं के आधार पर मान्यता देने की उनकी मानसिकता को दशार्ता है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने के फैसले का जिक्र करते हुए, जिसने संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता को काफी सीमित कर दिया था, सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की मानसिकता नहीं बदली है। सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि चुनावों के मामले में,

कांग्रेस, इंडिया गठबंधन और खासकर राहुल गांधी बेतुके आरोप लगा रहे हैं। यह उस मानसिकता को दशार्ता है कि आपातकाल के 50 साल बाद भी मानसिकता नहीं बदली है। अगर इंदिरा जी कहती थीं कि संवैधानिक संस्थाओं की मान्यता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीती हैं या नहीं, तो आज राहुल गांधी कहते हैं कि चुनाव आयोग की विश्वसनीयता इस आधार पर तय होगी कि वे चुनाव जीते हैं या नहीं। त्रिवेदी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव आयोग पर कांग्रेस के आरोपों की कड़ी आलोचना की और कहा कि उनके अपने पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और महाराष्ट्र के प्रभारी (2018-2024), आशीष दुआ, कुछ और ही लिखते हैं।

राहुल गांधी की चुनाव आयोग को दी गई चेतावनी पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर बेबुनियाद आरोप लगाना दशार्ता है कि 50 साल पहले आपातकाल जैसी मानसिकता अब भी बरकरार है।

भाजपा नेता ने वार करते हुए कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र चुनावों पर क्या-क्या कहा था।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के एक पूर्व सचिव, जो 2018 से 2024 तक महाराष्ट्र के प्रभारी रहे, ने महाराष्ट्र में हार का विश्लेषण करते हुए एक लेख में लिखा था कि वे किसी और को दोष नहीं दे सकते, वे कांग्रेस पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन की कमियों के कारण महाराष्ट्र हार गए। त्रिवेदी की यह टिप्पणी राहुल गांधी द्वारा गुरुवार को चुनाव आयोग को दी गई चेतावनी के बाद आई है

कि विपक्ष उन्हें बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से नहीं बचने देगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने गुरुवार को लोकसभा स्थगित होने के तुरंत बाद संसद के बाहर संवाददाताओं से कहा, मैं चुनाव आयोग को संदेश देना चाहता हूं: यदि आपको लगता है कि आप इससे बच निकलेंगे, यदि आपके अधिकारी सोचते हैं कि वे इससे बच निकलेंगे, तो आप गलत हैं।

तेजस्वी की जान को खतरा! राबड़ी देवी के आरोपों पर बोले डिप्टी सीएम विजय सिन्हा, डरने की जरूरत नहीं

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर राजद नेता राबड़ी देवी के बयान पर विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिना तथ्यों के बोलना ठीक नहीं है। यह संवैधानिक व्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। तेजस्वी यादव पर कथित हमले को लेकर आरजेडी नेता राबड़ी देवी के बयान पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि जिन्हें लगता है कि वे सुरक्षित नहीं हैं, उन्हें लिखकर देना चाहिए, जबकि उनके पास पूरी सुरक्षा है। उनके पास दो पूर्व मुख्यमंत्रियों जैसी सुविधाएं हैं और फिर भी वे डरे हुए हैं। पूरा बिहार उनके (आरजेडी) अपने लोगों से डरा हुआ है।

डरने की कोई जरूरत नहीं है, सरकार की तरफ से पूरी सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। उनके (आरजेडी) लोग गुंडागर्दी की भाषा बोलते हैं जो उनके जंगलराज के स्कूल में पढ़ाई जाती है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर राजद नेता राबड़ी देवी के बयान पर विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि बिना तथ्यों के बोलना ठीक नहीं है। यह संवैधानिक व्यवस्था को ध्वस्त करने की कोशिश है।

उन्हें बिहार और यहाँ की जनता को बदनाम करना बंद करना चाहिए। बिहार में एसआईआर मुद्दे पर विपक्ष के विरोध पर उन्होंने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही रोकना ठीक नहीं है। ऐसे लोग लोकतंत्र के हितैषी नहीं हैं, वे 'लाठीतंत्र' स्थापित करना चाहते हैं, लेकिन एनडीए ऐसा नहीं होने देगा।

भारत संवाद

अभिव्यक्ति

02

मुंबई , शनिवार , 26 जुलाई , 2025

सम्पादकीय

पड़ोसियों को पटरी पर लाता भारत, नेबरहुड फर्स्ट नीति की मजबूत अभिव्यक्ति है पीएम मोदी का मालदीव दौरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 और 26 जुलाई को मालदीव की यात्रा करेंगे जहाँ वे साठवें स्वतंत्रता दिवस समारोह में सम्मानित अतिथि होंगे। राष्ट्रपति मुइज्जू के शासनकाल में यह पहली राजकीय यात्रा है। भारत ने मालदीव को 600 करोड़ रुपये की विकास सहायता प्रदान की है और आर्थिक संकट में मदद की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 और 26 जुलाई को मालदीव के महत्वपूर्ण दौरे पर होंगे। सामरिक मायनों में अहम माने जाने वाले इस द्वीपसमूह के साठवें स्वाधीनता दिवस में मोदी सम्मानित अतिथि ही नहीं, बल्कि वर्तमान राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के शासनकाल के दौरान वहां राजकीय यात्रा करने वाले पहले विदेशी नेता भी हैं। प्रतीकात्मक और ठोस मानदंडों के आधार पर देखें तो यह भारत की पड़ोसी प्रथम विदेश नीति में एक मील का पत्थर है, जिसे मोदी सरकार की परिपक्व कूटनीति का उदाहरण माना जा सकता है।यह संयोग नहीं है कि एक समय भारत विरोध का राग अलापने वाले मुइज्जू आज मोदी के स्वागत में लाल कालीन बिछा रहे है। यह बदलाव भारत जैसी बड़ी शक्ति द्वारा एक छोटे पड़ोसी देश के साथ धैर्यपूर्वक और कुशलतापूर्वक व्यवहार का परिणाम है। मुइज्जू के कार्यकाल की शुरूआत में उनके समर्थकों ने भारत पर आपत्तिजनक टिप्पणियां कीं और भारत को मालदीव में एक औपनिवेशिक शक्ति के रूप में पेश किया था, लेकिन भारत ने ऐसे बयानों को लेकर औपचारिक स्तर पर कोई जवाबी कार्रवाई नहीं की। अन्यथा द्विपक्षीय रिश्ते और बिगड़ जाते। मालदीव से प्रतिकूल संकेतों के बीच भी भारत ने इस पड़ोसी देश की विकास सहायता राशि 470 करोड़ से बढ़ाकर 600 करोड़ रुपये कर दी। इसके अलावा दो प्रकार की मुद्रा विनिमय व्यवस्थाएं भी बनाईं, जिनके तहत 40 करोड़ डालर के साथ-साथ 3,000 करोड़ रुपये भी मालदीव को उपलब्ध कराए गए। इन प्रविधानों से उसे अपनी डगमगाती आर्थिक स्थिति को सुधारने और ऋण के बोझ को घटाने में सहायता मिली। बदहाली के शिकार मालदीव को संकट के समय उबारने वाला एकमात्र देश भारत था। जबकि मुइज्जू जिस चीन के मुरीद रहे थे, उसने उन्हें कोई रियायत नहीं दी। यह भी एक तथ्य है कि मालदीव की मुश्किलें चीनी कर्ज के जाल में फंसने से ही बढ़ी थीं।भारत ने मालदीव की दयनीय दशा को बखूबी भांपते हुए अपनी उदारता से सिद्ध किया कि भारत बड़े दिल वाला पडोसी है, जो न केवल प्राकृतिक आपदा में काम आता है, अपितु राष्ट्रीय संकटों से भी निजात दिलाने की मंशा और क्षमता रखता है।ऐसी ही परिस्थितियों से भारत ने 2022 में श्रीलंका को उबारा था। चीनी कर्ज बोझ से कराह रहे श्रीलंका को तब लगभग चार अरब डालर की आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराई थी।

आज का विचार

विकसित भारत की ओर एक और बड़ा कदम, ब्रिटेन के साथ ट्रेड से अर्थव्यवस्था और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा

पीयूष गोयल के अनुसार भारत और ब्रिटेन के बीच एक ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता हुआ है जिससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और भारतीय व्यवसायों को वैश्विक पहचान मिलेगी। यह समझौता मोदी सरकार की 2047 तक भारत को विकसित बनाने की रणनीति का हिस्सा है। समझौते से कृषि निर्यात में वृद्धि होगी किसानों को लाभ होगा और सूचना प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में नए अवसर उत्पन्न होंगे।

भारत और ब्रिटेन के बीच ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौते यानी एफटीए पर सहमति बन गई है। भारत-यूके व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) के अस्तित्व में आने से रोजगार के असंख्य अवसर सृजित होंगे। भारतीय किसानों, मछुआरों, कारीगरों और व्यवसायों को नई वैश्विक पहचान मिलेगी। उच्च गुणवत्ता वाली वस्तुओं की किफायती दरों पर पहुंच भी सुनिश्चित होगी। सीईटीए की संकल्पना आस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात और कुछ अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों के अनुरूप ही है। यह मोदी सरकार की भारत को 2047 तक विकसित बनाने की संकल्पना से जुड़ी रणनीति का एक हिस्सा है। मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक विश्वास को फिर से स्थापित करने तथा इसे भारतीय और विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के लिए एक दृढ़ रणनीति अपनाई है। विकसित देशों के साथ एफटीए इस रणनीति के केंद्र में है। ऐसे समझौते व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करके निवेशकों का विश्वास बढ़ाते हैं। पिछली यूपीए सरकार ने भारत के दरवाजे प्रतिद्वंद्वी देशों के लिए खोलकर भारतीय व्यवसायों को खतरे में डालने वाला रवैया अपनाया था। यूपीए सरकार में विकसित देश भारत के साथ व्यापार समझौते के अनिच्छुक थे, क्योंकि तब देश की गिनती दुनिया की पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में होने लगी थी। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आर्थिकी की काया ही पलट गई। भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2014 से लगभग तिगुना बढ़कर लगभग 331 लाख करोड़ रुपये हो गया है। क्रांतिकारी सुधारों, कारोबारी सुगमता और प्रधानमंत्री के वैश्विक व्यक्तित्व ने भारत को एक आकर्षक आर्थिक गंतव्य के रूप में उभारने में मदद की है, जहां विपुल संभावनाएं हैं। आज दुनिया भारत की अद्भुत विकासगाथा का हिस्सा बनना चाहती है। प्रमुख देशों द्वारा एक के बाद एक एफटीए इसी मान्यता की पुष्टि करते हैं ब्रिटेन के साथ यह व्यापार समझौता बाजार पहुंच और प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाएगा। यह करीब 99 प्रतिशत टैरिफ समाप्त करता है, जो लगभग शत प्रतिशत व्यापार मूल्य को कवर करता है। यह 56 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के लिए अपार अवसर बनाएगा, जिसके 2030 तक दोगुना होने का अनुमान है। इससे छोटे व्यवसाय समृद्ध होंगे, क्योंकि भारतीय उत्पादों को प्रतिद्वंद्वियों पर प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल होगी।खेल उपकरण बनाने वाली कंपनियों के कारोबार में भारी विस्तार होगा। विश्व के एक आकर्षक बाजार में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त चमड़ा और जूते, वस्त्र, समुद्री उत्पाद और रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए मददगार साबित होगी। इन क्षेत्रों में, जहां कई छोटे व्यवसाय संचालित होते हैं, निवेश और रोजगार सृजन के अवसर पैदा होंगे। भारत के चमड़ा और जूता निर्यात में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है। भारत वस्त्र, चमड़ा और जूते के क्षेत्र में ब्रिटेन के शीर्ष तीन आपूर्तिकर्ताओं में से एक बनने की बेहतर स्थिति में है।इस समझौते के बाद 95 प्रतिशत से अधिक कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य टैरिफ लाइनों पर शून्य शुल्क लगेगा, जिससे कृषि निर्यात और ग्रामीण समृद्धि में तेज वृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे अगले तीन वर्षों में कृषि निर्यात में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का अनुमान है, जो 2030 तक भारत के 100 अरब डालर के कृषि-निर्यात के लक्ष्य को पूरा करने में योगदान देगा। इससे भारतीय किसानों के लिए प्रीमियम ब्रिटिश बाजार के द्वार खुलेंगे, जो जर्मनी, नीदरलैंड और अन्य यूरोपीय संघ के देशों को मिलने वाले फायदे के बराबर या उससे भी अधिक होगा। हल्दी, काली मिर्च, इलायची, प्रसंस्कृत उत्पादों, अचार और दालों को भी शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। निर्यात बढ़ने से कृषि आय में वृद्धि होगी तथा गुणवत्ता, पैकेजिंग और प्रमाणन के लिए अधिक प्रोत्साहन मिलेगा। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला में रोजगार के असंख्य अवसर सृजित होंगे। घरेलू किसानों की सुरक्षा के लिए एफटीए में भारत के सबसे संवेदनशील कृषि क्षेत्रों को बाहर रखा गया है। भारत ने डेरी उत्पादों, सेब, जई और खाद्य तेलों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। यह मोदी सरकार की खाद्य सुरक्षा, मूल्य स्थिरता और कमजोर कृषक समुदायों को प्राथमिकता देने की रणनीति को दर्शाता है। समझौते से भारतीय मछुआरों, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल और तमिलनाडु के मछुआरों की ब्रिटिश बाजार में पहुंच सुगम होगी। यह समझौता सूचना प्रौद्योगिकी एवं संबंधित सेवाओं, वित्तीय सेवा और शिक्षा सहित अन्य सेवाओं में भारतीयों के लिए नए अवसर बनाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत के एफटीए वस्तुओं और सेवाओं से कहीं आगे तक जाते हैं। आस्ट्रेलियाई एफटीए के साथ भारत ने दोहरे कराधान का मुद्दा सुलझाया, जो आईटी कंपनियों की परेशानी बढ़ा रहा था। ब्रिटेन के साथ समझौते का एक अहम बिंदु दोहरे अंशदान से जुड़ा है। यह ब्रिटेन में नियोक्ताओं, अस्थायी भारतीय कर्मियों को तीन वर्षों के लिए सामाजिक सुरक्षा अंशदान से छूट देता है। इससे भारतीय सेवा प्रदाताओं की प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। व्यापार समझौते प्रतिस्पर्धा बढ़ाते हैं, जिससे भारतीय उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च-गुणवत्ता वाली वस्तुएं प्राप्त करने में मदद मिलती है। मोदी सरकार ने गुणवत्ता को प्रोत्साहित करने और बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन प्रदान किया है। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं और मुक्त व्यापार समझौतों पर बात आगे बढ़ाई है सरकार ने किसी भी मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर से पहले उद्योग जगत और अन्य हितधारकों के साथ गहन परामर्श किया है। यह जानकर खुशी होती है कि उद्योग जगत ने इन व्यापार समझौतों का व्यापक रूप से समर्थन एवं स्वागत किया है। इसी कड़ी में ब्रिटेन के साथ यह समझौता बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच न्यायसंगत और महत्वाकांक्षी व्यापार समझौतों के लिए एक मानक है।यह हमारे मूल हितों से समझौता किए बिना, वंचित समुदायों के लिए आकर्षक वैश्विक अवसरों के द्वार खोलता है। यह इस बात का एक प्रखर उदाहरण भी है कि नया भारत व्यापार किस प्रकार करता है।

मेष राशि : करियरः माता-पिता के आशीर्वाद से आज काम में अच्छे परिणाम मिलेंगे। आपके व्यवहार और काम का सकारात्मक असर दूसरों पर पड़ेगा. बिजनेसः अगर आप कोई नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं, तो बिजनेस से जुड़े अनुभवी लोगों से सलाह जरूर लें.धनः पैसों से जुड़ा कोई पुराना लेन-देन आज फायदेमंद साबित हो सकता है.शिक्षाः छात्रों के लिए पढ़ाई में सफलता मिलने का योग है। आलस्य से बचें और समय का सदुपयोग करें.

वृषभ राशि : करियरः आज दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। नौकरी में स्थिति सामान्य रहेगी, धैर्य बनाकर रखें बिजनेसः व्यवसायिक गतिविधियां थोड़ी धीमी रहेंगी, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए संयम ही उचित रहेगाः घर की सुख-सुविधाओं से जुड़ा कोई सामान खरीदने का योग बन रहा है। खर्च सोच-समझकर करें

मिथुन राशि : करियरः नई नौकरी के योग बन रहे हैं. किसी उलझन का समाधान होगा जिससे मन हल्का रहेगा. बिजनेसः आर्थिक गतिविधियों पर ध्यान दें. खर्चों को सीमित रखें और अनावश्यक मामलों में हस्तक्षेप से बचें.धनः किसी दोस्त की आर्थिक मदद करनी पड़ सकती है.

कर्क राशिः करियरः दिनचर्या व्यवस्थित रखने से कार्य समय पर पूरे होंगे. काम पर ध्यान देना भविष्य में फायदेमंद रहेगा. बिजनेसः बिजनेसमैन किसी कंपनी के साथ साझेदारी कर सकते हैं. नई योजनाओं पर काम शुरू होगा.

सिंह राशिःकरियरः वरिष्ठों का सहयोग मिलेगा. ऑफिस में प्रेजेंटेशन या नई जिम्मेदारी मिल सकती है. बिजनेसः नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है. राजनीतिक संबंध भी लाभ देंगे.धनः रुके हुए पैसे वापस मिल सकते हैं.

कन्या राशिः करियरः ऑफिस में काम का दबाव रहेगा. सहयोगियों से तालमेल बनाए रखें. सफलता से माता-पिता प्रसन्न होंगे. धनः फिजूलखर्ची से बचें. अपनी जरूरतों को प्राथमिकता दें. शिक्षाः प्रोजेक्ट पूरा करने में भाई-बहन या टीचर की मदद लें.लव/पारिवारिकः संदेह से बचें. परिवार में सामंजस्य बनाए रखना जरूरी है.

तुला राशिः करियरः दिन तरक्की देने वाला रहेगा. कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी.बिजनेसः अटका पैसा वापस मिलने की संभावना है. धनः सुख-सुविधा की वस्तुओं की खरीदारी में खर्च होगा. शिक्षाः बच्चों को आपकी सलाह से लाभ मिलेगा.

वृश्चिक राशि : करियरः काम समय पर पूरे होंगे. समाज में आपकी छवि सुधरेगी. बिजनेसः आज व्यवसाय में लाभ की स्थिति बन सकती है.धनः परिवार पर धन खर्च होगा. शिक्षाः शिक्षकों का दिन व्यस्त रहेगा.

धनु राशिः करियरः जीवनसाथी के साथ बाहर जाने का मौका मिलेगा. किसी अनुभवी व्यक्ति का मार्गदर्शन लाभ देगा. बिजनेसः कोई नई योजना शुरू हो सकती है.धनः रुकी हुई आर्थिक समस्या सुलझ सकती है. शिक्षाः विद्यार्थियों को मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा.

मकर राशिः करियरः परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी. सकारात्मक सोच से काम सफल होंगे. बिजनेसः प्रॉपर्टी डीलिंग से लाभ मिल सकता है.धनः धन के मामलों में सजग रहें.शिक्षाः विद्यार्थी मन लगाकर पढ़ाई करेंगे. लव/पारिवारिकः परिवार का सहयोग मिलेगा. महिलाएं घर के कामों में व्यस्त रहेंगी.

कुंभ राशि : करियरः अतिरिक्त जिम्मेदारियां पूरी होंगी. समाज में पहचान बढ़ेगी. बिजनेसः फैशन डिजाइनिंग से लाभ हो सकता हैधनः आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी.

मीन राशिः करियरः कार्यक्षेत्र में तालमेल अच्छा रहेगा. मार्केटिंग में सफलता मिलेगी.बिजनेसः बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञ की सलाह लें.धनः धन से जुड़ा मामला सुलझ सकता है.शिक्षाः छात्रों के लिए दिन अच्छा रहेगा.लव/पारिवारिकः लवमेट के लिए दिन शानदार रहेगा. जीवनसाथी से भावनात्मक सहयोग मिलेगा.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

भूखमरी है विकास के विरोधाभासी स्वरूप की भयावह तस्वीर

ललित गर्ग

विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की हालिया रिपोर्ट ने एक बार फिर वैश्विक समुदाय को चेताया है कि धरती पर करोड़ों लोग आज भी भूख, कुपोषण और खाद्य असुरक्षा के शिकंजे में जकड़े हुए हैं। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि एक वैश्विक त्रासदी की दास्तान है, जो यह सोचने पर मजबूर करती है कि इक्कीसवीं सदी के इस तथाकथित ह्यविकसितह्न दौर में भी हम उस प्राथमिक आवश्यकता-भोजन को सुनिश्चित नहीं कर सके हैं, जो किसी भी आदर्श शासन-व्यवस्था एवं सभ्यता की बुनियादी कसौटी है। एफएओ के अनुसार, दुनिया भर में 70 करोड़ से अधिक लोग गंभीर भूख का शिकार हैं, जबकि करीब 2 अरब लोग मध्यम या गंभीर खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं। अफ्रीका, दक्षिण एशिया, लैटिन अमेरिका और युद्धग्रस्त क्षेत्रों में हालात और भी बदतर हैं। बच्चों में कुपोषण और स्टंटिंग (विकास अवरोध) की दरें चिंताजनक हैं।

समूची दुनिया में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई जैसी तकनीक की नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं। किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे भी किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही है? विकास की इस धारा में इंसान एवं इंसान की मूलभूत जरूरतें कहां है? यह कैसा विकास है कि जिसमें विसंगतियां एवं विरोधाभास ही अधिक है। एक तरफ विभिन्न देश तकनीक के सहारे खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का दावा कर रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी, बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। बढ़ती भूखमरी एवं कुपोषण आधुनिक विकास पर एक बदनुमा दाग है।इस वैश्विक संकट की जड़ में केवल खाद्यान्न की कमी नहीं, बल्कि युद्ध, आंतरिक संघर्ष, आतंकवाद और राजनीतिक अस्थिरता जैसी स्थितियां गहराई से जिम्मेदार हैं।

यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते गेहूं, तेल, उर्वरक और अन्य खाद्य सामग्री की वैश्विक आपूर्ति प्रभावित हुई है। अफगानिस्तान, सीरिया, सूडान, यमन और सोमालिया जैसे देशों में वर्षों से चल रहे युद्धों ने लाखों लोगों को बेघर, बेरोजगार और भूखा बना दिया है। अफ्रीका के साहेल क्षेत्र में आंतरिक संघर्ष और जलवायु आपदाएं खाद्य संकट को और विकराल बना रही हैं। भुखमरी के वैसे तो कई कारण हो सकते हैं, लेकिन दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख है। इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है, लगातार जारी युद्धों, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों एवं आतंकवाद की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने में भी तरह-तरह की अड़चनों की खबरें भी आती रहती हैं। इस तरह के प्रयास वास्तव में मानवीय संवेदनाओं के दम तोड़ देने द्योतक हैं।जलवायु परिवर्तन, बाढ़, सूखा, चक्रवात और असामयिक वर्षा जैसे कारक कृषि उत्पादन को प्रभावित कर रहे हैं। भारत, नेपाल, पाकिस्तान, जैसे देशों के पहाड़ी और मैदानी इलाकों में मानसून के दौरान होने वाली आपदाएं किसानों की मेहनत को तबाह कर देती हैं। इससे खाद्यान्न उत्पादन घटता है, महंगाई बढ़ती है और आम आदमी की थाली सूखने लगती है। संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर जटिल से जटिलतर हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है।आधुनिक विकास के प्रारूप पर चिन्तन करना होगा। यह विचारणीय प्रश्न है कि विकास के इस प्रारूप में बड़े-बड़े मॉल बन रहे हैं, शहरों में चमचमाती इमारतें खड़ी हो रही हैं, तकनीक और एआई की बात हो रही है, लेकिन दूसरी ओर ग्रामीण इलाकों में लोग दो वक्त की रोटी के लिए तरस रहे हैं। भुखमरी बढ़ रही है, कुपोषण आम होता जा रहा है, बेरोजगारी चरम पर है, महंगाई ने गरीब की थाली से दाल-सब्जी गायब कर दी है।विकास का यह विरोधाभासी चेहरा दिखाता है कि संसाधनों का वितरण असमान है और नीतियां गरीबों की भूख मिटाने की बजाय अमीरों की संपत्ति बढ़ाने में लगी हैं। संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजीएस) में 2030 तक ह्यभूखमुक्त विश्वह्न का सपना देखा गया था, लेकिन वर्तमान हालात यह संकेत दे रहे हैं कि हम इस लक्ष्य से दूर होते जा रहे हैं। गरीब देशों को खाद्य सहायता की आवश्यकता है, लेकिन विकसित राष्ट्र अपने राजनीतिक एवं आर्थिक स्वार्थों में उलझे हुए हैं। कृषि को प्राथमिकता देने के बजाय, हम स्मार्ट सिटी, हाईवे और बुलेट ट्रेन जैसे प्रोजेक्ट में संसाधन झोंक रहे हैं।महंगाई और बेरोजगारी से उपजी विकट आर्थिक स्थितियां भी भुखमरी के लिए जिम्मेदार हैं। रपट में कहा गया है कि इन दोनों कारणों से पंद्रह देशों में 5.94 करोड़ लोगों का जीवन संकट में है। इसके अलावा, सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। अधिक चिन्ताजनक यह है कि इन लोगों को खाद्य एवं पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में भी भारी गिरावट आई है।ऐसा लगता है कि वैश्विक मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सांसें धीरे-धीरे उखड़ रही हैं। ऐसे में जबरन विस्थापन भुखमरी के संकट को और बढ़ा रहा है। इस जटिल से जटिलतर होती समस्या के समाधान के लिये व्यापक प्रयत्नों की अपेक्षा है।इन प्रयत्नों में सबसे जरूरी है कि स्थायी कृषि नीति बनानी होगी जिसमें जल संरक्षण, जैविक खेती और छोटे किसानों की सुरक्षा पर बल दिया जाए। युद्ध और संघर्षों का समाधान कूटनीति और संवाद से निकाला जाए, क्योंकि सबसे बड़ी कीमत आम जनता चुकाती है। भोजन के अधिकार को मौलिक अधिकार की तरह लागू किया जाए, और सभी देश एक वैश्विक खाद्य भंडारण व वितरण प्रणाली विकसित करें। गरीबी उन्मूलन पर ठोस योजनाएं बने, ताकि लोग आत्मनिर्भर बनें और भीख या राहत पर निर्भर न रहें। महंगाई पर नियंत्रण, और गरीबों को सब्सिडी आधारित खाद्यान्न व्यवस्था को और मजबूत करना होगा। एफएओ की रिपोर्ट में एक और भयावह तस्वीर सामने आती है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में कैद है।

कर्नाटक का रोहित वेमुला विधेयक 2025 हिन्दुओं को बाँटने की साजिश तो नहीं!

रामस्वरूप रावतसरे

कर्नाटक में सिद्दारमैया सरकार आगामी मानसून सत्र में रोहित वेमुला विधेयक 2025 को पेश करने की पूरी तैयारी कर चुकी है। राहुल गाँधी के हुक्म के बाद कर्नाटक सरकार ने छात्रों के बीच एससी,एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय को अन्याय से बचाने का बीड़ा उठाया है। रोहित वेमुला विधेयक का उद्देश्य कथित तौर पर उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव और उत्पीड़न को रोकना बताया जा रहा है।इस विधेयक का नाम हैदराबाद विश्वविद्यालय के पीएचडी छात्र रोहित वेमुला के नाम पर रखा गया है। 17 जनवरी 2016 को रोहित ने आत्महत्या कर ली थी। उसकी आत्महत्या के बाद पूरे देश में जातिगत भेदभाव को लेकर काफी आक्रोश सामने देखने को मिला था हालाँकि बाद में यह बात जरूर साफ हुई कि रोहित वेमुला असल में दलित समुदाय से था ही नहीं।कर्नाटक सरकार ने इस विधेयक को राज्य के सभी सरकारी, निजी और डीम्ड विश्वविद्यालयों में लागू करने की बात कही है। इसके तहत सामान्य कैटेगरी के छात्रों को छोड़कर बाकी सभी के लिए, यानी एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदाय को अन्याय से बचाने की बात कह कानून बनाए गए हैं। बिल में किसी भी तरह के भेदभाव को गैर-जमानती और संगीन अपराध माना गया है। इसमें पहली बार दोषी पाए जाने पर 1 साल की जेल और 10,000 जुमार्ना और दोबारा अपराध पर 3 साल की जेल और 1 लाख जुमार्ना का प्रावधान है। साथ ही, दोषी संस्थानों को राज्य सरकार से वित्तीय सहायता नहीं मिलेगी और पीड़ित को सीधे मुआवजा देने की व्यवस्था भी की गई है। बिल के तहत कोई भी पीड़ित या फिर उसके परिवार का व्यक्ति सीधे पुलिस में शिकायत दर्ज कर सकता है और बिना किसी सबूत के आरोप लगाया जा सकता है। दोषी पाए जाने पर आरोपित को 1 लाख रुपए तक का मुआवजा देना पड़ेगा।जानकारों की माने तो इस कानून से एक तरह से सामान्य श्रेणी के छात्रों को रंजिश में एससी,एसटी, ओबीसी या अल्पसंख्यक समुदाय का कोई भी व्यक्ति बड़े आराम से जेल भिजवा सकता है। जब तक व्यक्ति निर्दोष साबित नहीं हो जाता तब तक वो दोषी ही माना जाएगा। इससे भी बड़ी विडंबना ये है कि आरोपित के साथ-साथ उस व्यक्ति को भी इस एक्ट के तहत जेल हो सकती है जिसने आरोपित की मदद की हो, उकसाया हो या फिर वो भी जिसने रोकने की कोशिश नहीं की।सोशल मीडिया पर जानकार इसे एक संस्थागत उत्पीड़न बताया है। उनका कहना है कि इसे सामाजिक न्याय की चाशनी में लपेटकर परोसा जा रहा है। कई विश्लेषक ये भी कह रहे हैं कि जब इसी तरह का एससी,एसटी एक्ट इस वर्ग को संरक्षण देने के लिए पहले से ही मौजूद है तो फिर इस तरह का एक्ट थोप कर संस्थानों के माहौल में द्वेष भरने की क्या आवश्यकता है? कर्नाटक सरकार ने रोहित वेमुला के नाम पर दलित विधेयक बना दिया जबकि रोहित असल में दलित था ही नहीं। अब इस पर लोग सवाल भी उठा रहे हैं। 2017 में आंध्र प्रदेश सरकार ने रोहित का अनुसूचित जाति प्रमाण पत्र रद्द कर दिया था और कहा था कि वह ओबीसी वर्ग से हैं. ऐसे में शेड्यूल कास्ट का प्रमाण पत्र धोखाधड़ी से बनवाया गया।इसके लिए तेलंगाना पुलिस ने भी 3 मई 2024 को हाई कोर्ट में एक क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। इसमें बताया गया था कि रोहित वेमुला एससी श्रेणी से नहीं था और उसने आत्महत्या इसलिए की क्योंकि उसे अपनी जाति की सच्चाई के उजागर होने का डर था। क्लोजर रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई थी कि उनकी मृत्यु के लिए कोई भी व्यक्ति या संस्थान जिम्मेदार नहीं था।

बोरीवली वेस्ट रेलवे स्टेशन से हटाए गए फेरीवाले, विधायक की तारीफ, कांग्रेस ने किया विरोध

बोरीवली पश्चिम रेलवे स्टेशन के आसपास गैरकानूनी तरीके से बसे फेरीवालों को हटाने के लिए स्थानीय विधायक संजय उपाध्याय की जहां लोग सराहना कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस प्रवक्ता और स्लम सेल विभाग के मुंबई अध्यक्ष सुरेशचंद्र राजहंस ने फेरीवालों पर की जा रही कार्रवाई के खिलाफ नाराजगी प्रकट की है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः बोरीवली पश्चिम रेलवे स्टेशन के आसपास गैरकानूनी तरीके से बसे फेरीवालों को हटाने के लिए स्थानीय विधायक संजय उपाध्याय की जहां लोग सराहना कर रहे हैं, वहीं कांग्रेस प्रवक्ता और स्लम सेल विभाग के मुंबई अध्यक्ष सुरेशचंद्र राजहंस ने फेरीवालों पर की जा रही कार्रवाई के खिलाफ नाराजगी प्रकट की है।उनकी मांग है कि जब तक कोर्ट का फैसला नहीं आ जाता तब तक फेरीवालों पर कार्रवाई नहीं की जाए। बोरीवली पश्चिम स्टेशन पर क्या थी दिक्कत? बोरीवली पश्चिम स्टेशन के करीब गैरकानूनी ने एक तरह से कब्जा जमा लिया था।पुलिस स्टेशन करीब आने के बाद भी मारपीट आम बात हो गई थी।फेरीवालों के कारण आम आदमी का फुटपाथ पर चलना दूभर हो गया था। ट्रैफिक जैम जैसी बड़ी समस्या खड़ी हो गई थी। बोरीवली की आम जनता इस समस्या से निजात चाहती थी। उनकी समस्याओं को सुलझाने के लिए विधायक संजय उपाध्याय सामने आए।उनके दखल के बाद चंद दिन के लिए पुलिस और बीएमसी वालों ने फेरीवालों को हटा दिया, लेकिन फिर फेरीवालों ने कब्जा जमा लिया।पुलिस और बीएमसी ने फेरीवालों से मुक्त करायाउपाध्याय ने पुलिस और बीएमसी को चुनौती दी कि अगर गैरकानूनी रूप से कब्जा जमाने वाले फेरीवालों को नहीं हटाया तो उसी जगह पर वे खुलेआम जनता दरबार लगाएंगे।

फडणवीस-शिंदे के बीच नहीं दिख रही है गर्मजोशी, राजनीतिक हलकों में 'ऑल इज नॉट वेल' की चर्चा

महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले एक बार फिर से राजनीति गरमाई हुई है। राज्य में भाषा विवाद और महायुति सरकार के मंत्रियों पर आरोपों के बीच शिंदे की नाराजगी अटकलें लग रही है। दावा किया जा रहा कि शिंदे सीएम फडणवीस के एक हलिया निर्देश खुश नहीं है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच नजदीकियां बढ़ने की सियासी अटकलों के बीच डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के असहज होने की चचाएं हो रही हैं। यह दावा किया जा रहा है फडणवीस ने जिस तरह से विधान परिषद में उद्धव ठाकरे को ऑफर दिया। वह शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को अच्छा नहीं लगा। इस सब के बाद अब महाराष्ट्र में चर्चा हो रही है कि महायुति सरकार ने अंदर एक पॉवर गेम की लड़ाई चल रही है। सूत्रों के हवाले से जो जानकारी मीडिया में आई है। उसमें कहा जा रहा है कि सीएम देवेंद्र फडणवीस ने महायुति सरकार में सभी दलों को एक समान महत्व देने के लिए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे समेत बाकी विभाग के मंत्रियों पर नकेल कस दी है। सूत्रों के मुताबिक शिंदे के नगर विकास विभाग द्वारा जारी की जाने वाले राशि की फाइल अब सीएमओ को भेजनी पड़ेगी।

कौन किस पर डाल रहा नकेल?

हिन्दुस्तान टाइम्स ने रिपोर्ट में लिखा है कि मंत्री पद के नियम से हटकर शिंदे ने अपनी पार्टी शिवसेना के सभी मंत्रियों से कहा था कि वे अपनी सभी फाइलें अंतिम मंजूरी के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस के पास भेजने से पहले उनके माध्यम से भेजें। पार्टी के मंत्रियों (नौ कैबिनेट मंत्री और दो राज्य मंत्री) ने पिछले दो हफ्तों में इसे अमल में लाया है। दूसरी ओर फडणवीस ने हाल ही में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शहरी विकास विभाग (यूडीडी) को निर्देश दिया है कि वह फंड और चल रही योजनाओं से जुड़ी सभी फाइलें सीधे उनके कार्यालय में भेजे। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के अप्रूवल के बाद ही अब विधायकों को फंड वितरित किए जा सकेंगे। ऐसे आरोप लग रहे थे कि शिंदे फंड वितरण में सिर्फ अपनी पार्टी के विधायकों को प्राथमिकता दे रहे थे।

फास्ट ट्रैक

मध्य रेल के महाप्रबंधक ने सिग्नल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण संस्थान, भायखला का निरीक्षण किया- प्रशिक्षुओं के लिए नए छात्रावास का उद्घाटन किया।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री धर्म वीर मीना ने दिनांक 23.07.2025 को सिग्नल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण संस्थान, भायखला का निरीक्षण किया और प्रशिक्षुओं के लिए नवनिर्मित जयगढ़ छात्रावास का उद्घाटन किया। 36 कमरों वाले जयगढ़ छात्रावास में 144 प्रशिक्षुओं के रहने की क्षमता है। इसमें एक जिम, मनोरंजन कक्ष, भोजन कक्ष और वाई-फाई सुविधा उपलब्ध है।सिग्नल एवं दूरसंचार प्रशिक्षण संस्थान, भायखला, जो सिग्नल एवं दूरसंचार कारखाना भायखला का एक भाग है, दो क्षेत्रों, अर्थात मध्य रेल और पश्चिम मध्य रेलवे, से प्रति वर्ष औसतन लगभग 1500 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान करता है। 1968 में स्थापित, यह संस्थान कारीगरों और इंजीनियरों के लिए हर साल 100 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित करता है, जिनमें प्रारंभिक प्रशिक्षु पाठ्यक्रम, आधारभूत पाठ्यक्रम, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम, विशेष उपकरण पाठ्यक्रम और कवच प्रशिक्षण शामिल हैं।निरीक्षण के दौरान श्री मनिंदर उप्पल, प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर, श्री अमरेंद्र सिंह, मुख्य कारखाना प्रबंधक, सिग्नल एवं दूरसंचार कारखाना भायखला, प्रमुख विभागाध्यक्ष, मंडल रेल प्रबंधक, मुंबई मंडल और मध्य रेल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

4 साल की बच्ची को शू रैक पर बैठाया, सैंडल पहनने लगी मां, इतने में 12वीं मंजिल से गिरी मासूम

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के नायगांव स्थित नवकार सिटी में दर्दनाक घटना सामने आई है। नवकार सिटी में चार साल की एक बच्ची खेल-खेल में 12वीं मंज़िल पर स्थित अपने घर की खिड़की से गिर गई। इस हादसे में बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के नायगांव स्थित नवकार सिटी में दर्दनाक घटना सामने आई है। नवकार सिटी में चार साल की एक बच्ची खेल-खेल में 12वीं मंज़िल पर स्थित अपने घर की खिड़की से गिर गई। इस हादसे में बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। बताया गया है कि उसकी मां ने उसे सैंडल पहनाने के लिए शू-रैक पर बैठाया था, जहां से वह खिड़की के चौखट पर चढ़ने लगी, तभी हादसा हो गया। सीसीटीवी में बच्ची के गिरने की घटना कैद हो गई। पुलिस ने इस घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली है।क्या है पूरा मामला ?पुलिस के मुताबिक, बच्ची का नाम अनविका प्रजापति था। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, बुधवार शाम करीब 8 बजे वह अपनी मां के साथ कहीं जाने वाली थी। चार साल की अनविका घर से बाहर आती है और उसके पीछे उसकी मां भी आती है। जैसे ही उसकी मां दरवाजा बंद करती है, अनविका एक बड़े साइज का जूता पहन लेती है। इसके बाद अनविका की मां उसे शू-रैक पर बैठाकर तैयार होने लगती है। वह खुद चप्पल पहनती है और बेटी के लिए सैंडल लाती हैं।पत्नी की बेवफाई का खौफनाक बदला, प्रेमी के साथ भागी महिला घर लौटी तो युवक ने फावड़े से काट डालाआखिर क्यों मोदी सरकार के समर्थन में आईं इरढ सुप्रीमो? जानिए क्या बोलीं मायावती'बदला पूरा हुआ' जयपुर में हुए कन्हैयालाल जैसे हत्याकांड ने चौंकाया, अब लंगड़ाने को मजबूर हुए आरोपीलग्जरी होटल, हाई प्रोफाइल विदेशी महिलाएं...भनक लगी तो मुंबई पुलिस भी बन गई 'जेम्स बॉन्ड', जानिए कैसे किया सेक्स रैकेट का भंडाफोड़डॉक्टरों ने बच्ची को मृत घोषित कियाइसी बीच अनविका अलमारी पर खड़ी होकर खिड़की की चौखट पर बैठने की कोशिश करती है, लेकिन किनारे पर संतुलन बनाने से पहले ही वह खिड़की के बाहर गिर जाती है। पुलिस के अनुसार, हादसे के बाद बच्ची की मां ने चिल्लाते हुए लोगों से मदद मांगी।

मुंबई-अहमदाबाद एक्सप्रेसवे पर मनसे के निशाने पर रेस्टोरेंट-होटल, गुजराती साइनबोर्ड फाड़े

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को मुंबई-अहमदाबाद एक्सप्रेसवे पर स्थित रेस्टोरेंट और होटलों को निशाना बनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि वे साइनबोर्ड और मेन्यू कार्ड की भाषा को मराठी में बदलें। दरअसल महाराष्ट्र का पालघर जिला गुजरात की सीमा से लगा हुआ है।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

कहा- मेन्यू कार्ड और बोर्ड मराठी में करो

मुंबईः महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के कार्यकर्ताओं ने गुरुवार को मुंबई-अहमदाबाद एक्सप्रेसवे पर स्थित रेस्टोरेंट और होटलों को निशाना बनाया। उन्होंने चेतावनी दी कि वे साइनबोर्ड और मेन्यू कार्ड की भाषा को मराठी में बदलें। मनसे के कार्यकर्ताओं ने मराठी साइनबोर्ड के इस्तेमाल की मांग को लेकर ठाणे और पालघर जिले में एक्सप्रेसवे पर स्थित कई होटलों के बाहर गुजराती में लिखे साइनबोर्ड जबरन हटा दिए। दरअसल महाराष्ट्र का पालघर जिला गुजरात की सीमा से लगा हुआ है। मराठी-महाराष्ट्र पर कोई समझौता नहीं यह प्रदर्शन राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में हिंदी को अनिवार्य किए जाने को लेकर उठे विवाद के तुरंत बाद शुरू हुआ। वसई से मनसे कार्यकर्ता प्रशांत खांबे ने कहा कि पार्टी प्रमुख राज ठाकरे ने कहा है कि मराठी और महाराष्ट्र पर कोई समझौता नहीं होगा। मनसे के पालघर और ठाणे जिलों के प्रमुख अविनाश जाधव ने कहा कि हमने उनसे कहा है कि अगर आप महाराष्ट्र में व्यापार करना चाहते हैं तो इसे बदल दें।

गुजराती साइनबोर्ड हटाने पर किया मजबूर

इससे पहले सोमवार को मनसे सदस्यों ने अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकताओं के साथ मिलकर नवी मुंबई के सीवुड्स स्थित गुजरात बीजेपी विधायक वीरेंद्रसिंह बहादुरसिंह जडेजा के कार्यालय से एक गुजराती साइनबोर्ड हटाने पर मजबूर किया। गुजरात के रापर विधानसभा क्षेत्र से विधायक वीरेंद्रसिंह बहादुरसिंह जडेजा के जनसंपर्क कार्यालय के बाहर पुलिस की मौजूदगी में साइनबोर्ड उतार दिया गया।

शिवसेना यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने अश्लीलता फैलाने वाले 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म को बैन किए जाने पर केंद्र सरकार की तारीफ की

उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने अश्लीलता फैलाने वाले 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म को बैन किए जाने पर केंद्र सरकार की तारीफ की है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि यह शानदार न्यूज है। प्रियंका चतुर्वेदी ओटीटी पर सेक्सुअल और आपत्तिजनक कंटेंट के मुद्दे को उठाती रही हैं।

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः केंद्र सरकार ने एक बड़े फैसला में अश्लीलता फैलाने वाले 25 ओटीटी प्लेटफॉर्म पर पाबंदी लगा दी है। सरकार के इस फैसले के बाद इन प्लेटफॉर्म को एक्सेस कर पाना संभव नहीं होगा। सरकार ने जिस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर पाबंदी लगाई है। उनमें ऑल्ट बालाजी और उल्लू जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म शामिल हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कड़े फैसले का उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने स्वागत किया है। चतुर्वेदी इस फैसले की तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि यह बहुत अच्छी खबर है। मैं इन दोनों ऐप्स उल्लू और ऑल्ट बालाजी के कंटेंट के बारे में बात कर रहा थी। मैंने संचार एवं आईटी की स्थायी समिति में भी इस मुद्दे को उठाया था। खुशी है कि मंत्रालय ने ने इस पर ध्यान दिया और जो जरूरी था वो बहुत पहले ही कर दिया। आगे भी उठाती रहूंगी आवाजप्रियंका चतुर्वेदी ने एक अन्य पोस्ट में कहा है कि जो ऐप्स अश्लील और विकृत कंटेंट स्ट्रीम कर रहे थे, उन पर आखिरकार सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कार्रवाई की है खासकर उल्लू ऐप और ऑल्ट बालाजी पर। मैं इसका स्वागत करती हूं। जवाबदेही के लिए आवाज उठाती रहूंगी। प्रियंका चतुर्वेदी ने इसी साल मई में जब हाउस अरेस्ट रियलिटी शो में जब अश्लीलता समने आई थी तब उन्होंने आवाज उठाई थी। प्रियंका चतुर्वेदी ने तब सरकार ने पूछा था कि उल्लू एप कैसे अश्लीलता फैसला रहा है। आखिर ये कैसे बचा हुआ है। तब प्रियंका चतुर्वेदी ने उठाया था मामलातब सोशल मीडिया ताजा विवाद 'हाउस अरेस्ट' शो को लेकर खड़ा हुआ था। यह रियलिटी शो ओटीटी प्लेटफॉर्म उल्लू एप्प पर रिलीज हुआ था। जो बिग बॉस की तर्ज पर एक रियलिटी शो है। इस शो के कई वीडियो क्लिप्स वायरल हुए थे। जिन पर बवाल मचा हुआ था। वीडियो में प्रतिभागियों ने कैमरे के सामने सेक्स की पोजिशन दर्शाई थी। तब इस मुद्दे को प्रियंका चतुर्वेदी ने उठाया था। केंद्र सरकार ने बड़े फैसले में कथित तौर पर अश्लील, अश्लील और 'अश्लील' सामग्री रखने वाले कई ऐप्स और वेबसाइटों पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिन 25 ऐप्स और वेबसाइटों पर कार्रवाई की गई है, उनमें ऑल्ट बालाजी, उल्लू, बिग शॉट्स ऐप, देसीफ्लिक्स, बूमेक्स, नवरसा लाइट और गुलाब ऐप शामिल हैं।

रेल यात्री सुविधाओं में विस्तार : रेलवन ऐप की शुरूआत

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

जबलपुर ।रेल प्रशासन यात्री सुविधाओं में विस्तार के लिए हमेशा प्रयासरत रहता है। इसी क्रम में रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा में इजाफा करते हेतु एक नया ऐप, रेलवन, लॉन्च किया। इस ऐप का मूल उद्देश्य उपयोगकताओं को बेहतर अनुभव प्रदान करना है, जिसे सरल और स्पष्ट यूआई (यूजर इंटरफेस) के माध्यम से साकार किया गया है। यह न केवल सभी सेवाओं को एक स्थान पर समाहित करता है, बल्कि सेवाओं के बीच एकीकृत संपर्क भी प्रदान करता है, जिससे उपयोगकर्ता को भारतीय रेल सेवाओं का समग्र पैकेज मिलता है। रेलवन ऐप यात्रियों की सभी आवश्यक सेवाओं के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन है। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को निम्नलिखित सेवाओं तक सरलता से पहुंच मिलती हैः टिकटिंग आरक्षित, अनारक्षित, प्लेटफार्म टिकट, ट्रेन और ढठफ पूछताछ, यात्रा योजना, रेल मदद सेवाएं, ट्रेन में भोजन बुकिंग। साथ ही, इसमें माल परिवहन (फ्रेट) से संबंधित पूछताछ की सुविधा भी उपलब्ध है।

इस ऐप की एक विशेष सुविधा है

सिंगल साइन-ऑन :- इससे उपयोगकताओं को कई पासवर्ड याद रखने की आवश्यकता नहीं पड़ती। RailOne ऐप डाउनलोड करने के बाद, RailConnectया UTSonMobile ऐप की मौजूदा यूजर आईडी से लॉगिन किया जा सकता है। इसके कारण उपयोगकताओं को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग ऐप रखने की जरूरत नहीं पड़ती, जिससे डिवाइस की स्टोरेज भी बचती है।

इस ऐप में आर-वॉलेट (Railway e-wallet) की सुविधा भी जोड़ी गई है। संख्यात्मकmPIN और बायोमेट्रिक लॉगिन जैसी आसान लॉगिन सुविधाएं भी दी गई हैं। नए उपयोगकताओं के लिए कम से कम जानकारी देकर पंजीकरण की व्यवस्था है, जिससे रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया आसान और तेज बनती है। केवल पूछताछ करने वाले उपयोगकर्ता गेस्ट लॉगिन के जरिए मोबाइल नंबर और OTP से भी लॉगिन कर सकते हैं। इस एप का उपयोग कर आर-वॉलेट के माध्यम से अनारक्षित यूटीएस टिकट प्राप्त की जा सकती है और 3% छूट भी दी जाएगी। आईआरसीटीसी पर आरक्षित टिकट उपलब्ध रहेंगे। रेलवन ऐप को भी आईआरसीटीसी द्वारा अधिकृत किया गया है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलवन ऐप सेवा का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएँ।

दिनांक 27.07.2025 को मध्य रेल के मुंबई मंडल पर मेगा ब्लॉक

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मध्य रेल, मुंबई मंडल दिनांक 27.07.2025 को विभिन्न इंजीनियरिंग और रखरखाव कार्यों के लिए अपने उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक परिचालित करेगा। विवरण निम्नानुसार है :ठाणे और कल्याण स्टेशनों के बीच अप और डाउन स्लो लाइन सुबह 11.00 बजे से शाम 16.00 बजे तक

मुलुंड से सुबह 10.43 बजे से दोपहर 15.53 बजे तक छूटने वाली डाउन स्लो/सेमी फास्ट ट्रेनें मुलुंड और कल्याण स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएँगी और ठाणे, कलवा, मुंब्रा, दिवा और डोंबिवली स्टेशनों पर रुकेंगी और अपने गंतव्य पर 10 मिनट देरी से पहुँचेंगी।

सुबह 10.36 बजे से दोपहर 15.51 बजे तक कल्याण से छूटने वाली अप स्लो/सेमी फास्ट सेवाएं कल्याण और मुलुंड स्टेशनों के बीच अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी। ये सेवाएं डोंबिवली, दिवा, मुंब्रा, कलवा और ठाणे स्टेशनों पर रुकेंगी। मुलुंड स्टेशन पर इन्हें अप स्लो लाइन पर पुनः डायवर्ट किया जाएगा और ये अपने गंतव्य पर निर्धारित समय से 10 मिनट देरी से पहुंचेंगी।

ठाणे लोकल ट्रेनें उचित डाउन स्लो लाइन पर चलेंगी।

सुबह 11.00 बजे से शाम 17.00 बजे के बीच सीएसएमटी मुंबई से प्रस्थान/पहुंचने वाली सभी अप और डाउन स्लो सेवाएं अपने निर्धारित समय से 10 मिनट देरी से पहुंचेंगी/प्रस्थान करेंगी।

पनवेल-वाशी अप और डाउन हार्बर लाइन सुबह 11.05 बजे से शाम 16.05 बजे तक

(पोर्ट लाइन को छोड़कर) औरएमआरवीसी ब्लॉक के लिए पनवेल में सुबह 11.05 बजे से शाम 17.05 बजे तक

पनवेल से सुबह 10.33 बजे से शाम 17.07 बजे तक सीएसएमटी मुंबई के लिए अप हार्बर लाइन की सेवाएँ और सुबह 9.45 बजे से दोपहर 15.44 बजे तक सीएसएमटी मुंबई से पनवेल/बेलापुर के लिए डाउन हार्बर लाइन की सेवाएँ रद्द रहेंगी।

पनवेल से सुबह 11.02 बजे से शाम 16.26 बजे तक ठाणे की ओर जाने वाली अप ट्रांस-हार्बर लाइन की सेवाएँ और ठाणे से सुबह 10.01 बजे से शाम 16.24 बजे तक पनवेल की ओर जाने वाली डाउन ट्रांस-हार्बर लाइन की सेवाएँ रद्द रहेंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान सीएसएमटी-वाशी सेक्शन पर विशेष लोकल ट्रेनें चलेंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान ठाणे-वाशी/नेरुल स्टेशनों के बीच ट्रांस-हार्बर लाइन सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।

ब्लॉक अवधि के दौरान पोर्ट लाइन सेवाएँ उपलब्ध रहेंगी।ये रखरखाव मेगा ब्लॉक बुनियादी ढाँचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए आवश्यक हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन को सहयोग करें।

शिक्षक विधायक ने पालघर जिला के शिक्षकों की समस्याओं का किया समाधान

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

पालघर। शिक्षकों की विभिन्न प्रलंबित समस्याओं के संबंध में कोंकण संभाग के शिक्षक विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने शिक्षा अधिकारी माध्यमिक के कार्यालय का दौरा किया और शिक्षकों की समस्याओं विधायक ने किया शिक्षा अधिकारी कार्यालय का दौरा का समाधान किया। कोंकण संभाग के शिक्षक विधायक ज्ञानेश्वर म्हात्रे ने शिक्षा अधिकारी माध्यमिक पालघर जिला कार्यालय में महाराष्ट्र राज्य शिव छत्रपति शिक्षक संघ के पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की और पालघर जिले में शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की शैक्षणिक समस्याओं को प्रस्तुत किया। बैठक में सैकड़ों शिक्षक / गैर-शिक्षण कर्मचारियों की समस्याएं प्रस्तुत की गई। इसमें अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति, स्कूल आईडी सिफारिशें, प्रिंसिपल अनुमोदन, व्यक्तिगत अनुमोदन, जिला स्थानांतरण, गैर-सहायता प्राप्त से अनुदानित में स्थानांतरण, समूह, अनुमोदन में सुधार, वरिष्ठ वेतन ग्रेड, चयन ग्रेड, बकाया बिल, चिकित्साबिलों की प्रतिपूर्ति, पेंशन प्रस्ताव जैसी कई समस्याएं शिक्षा अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गईं। उन्होंने अपने विभाग को निर्देश दिए कि कुछ समस्याओं का तुरंत और कुछ समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान किया जाए, साथ ही विधायक द्वारा बताए गए काम तुरंत शुरू किए जाएं। इसमें कोई देरी नहीं होनी चाहिए। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य शिव छत्रपति शिक्षक संघ के राज्य सचिव अरुण भोईर, संचार प्रमुख विठ्ठल गोरे, जिला शहरी अध्यक्ष महेश कुडू ग्रामीण जिला अध्यक्ष जयंत पाटिल, डरेल डिमेलो के साथ जिले के शिक्षक एवं शिक्षकेतर बंधु उपस्थित थे।

मुंबई में बारिश ने फिर रोकी रफ्तार, सड़कों पर भारी जाम, रेल सेवाएं प्रभावित, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबईः महाराष्ट्र के मुंबई में शुक्रवार को जमकर बारिश हुई। बारिश के कारण लोगों को मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। भारी बारिश के चलते लोकल ट्रेनों की रफ्तार धीमी हो गई है। बारिश के कारण कई जगहों पर पानी भर गया है। शहर की कई सड़कों पर ट्रैफिक जाम लग गया। बता दें कि आईएमडी ने मुंबई, ठाणे, रायगढ़ और पुणे में भारी बारिश की चेतावनी दी है। अधिकारियों ने लोगों से सावधानी बरतने को कहा है। लोगों से कहा गया है कि जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले।बारिश से धीमी हुई ट्रेनों की रफ्तारसेंट्रल रेलवे के अनुसार, सभी लाइनों पर लोकल ट्रेनें चल रही हैं। मेन लाइन की ट्रेनें 10-12 मिनट देरी से चल रही हैं। हार्बर लाइन की ट्रेनें 7-8 मिनट देरी से चल रही हैं। अधिकारियों ने बताया कि कम दृश्यता के कारण ट्रेनों को धीमी गति से चलाया जा रहा है। यह सावधानी के तौर पर किया जा रहा है। बारिश के कारण कई प्रमुख मार्गों पर ट्रैफिक जाम लग गया। वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर गोरेगांव ईस्ट में ठएरउड के पास भारी ट्रैफिक था। ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर विखरोली-छेड़ा नगर और अमर महल-रंङ्गल्ल कॉरिडोर पर भी ट्रैफिक जाम था। अंधेरी सबवे को पहले पानी से खाली कर दिया गया था और यातायात के लिए खोल दिया गया था

भाषा नहीं हो सकती झगड़े की जड़, राज्यपाल की चिंता के बाद फडणवीस की चेतावनी, क्या महाराष्ट्र रुकेगी मनसे की गुंडागर्दी?

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मुंबई/नई दिल्लीः महाराष्ट्र में हिंदी-मराठी भाषा विवाद के तूल पकड़ने पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा बयान दिया है। गुरुवार को नई दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में मराठी अध्ययन केंद्र के शुभारंभ के मौके पर फडणवीस ने कहा भाषा झगड़े की जड़ नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मराठी बोलने का आग्रह करना स्वाभाविक है लेकिन भाषा के नाम पर विवाद या किसी के साथ जबरदस्ती या मारपीट करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फडणवीस ने जोर देकर कहा कि महाराष्ट्र में अगर कोई भी भाषा के नाम पर जोर जबरदस्ती करेगा तो हम कार्रवाई करेंगे। राजनीतिक प्रेक्षक हिंदी बनाम मराठी विवाद को स्थानीय निकाय के चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं। उनका कहना है कि यह विवाद चुनावी और राजनीतिक हितों को लेकर है। अब देखना यह है कि सीएम आने वाले दिनों मनसे की गुंडागर्दी जारी रहने पर क्या एक्शन लेते हैं ?मराठी शोध केंद्र का होना गर्व हैमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भाषा विवाद पर दूसरी बार चेतावनी दी है। मनसे कार्यकताओं द्वारा मराठी नहीं बोलने पर लोगों को पीटने पर फडणवीस पहले भी वॉर्निंग दे चुके हैं। गुरुवार को नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में फडणवीस ने मराठी भाषा विभाग में कवि कुसुमाग्रज मराठी शोध केंद्र का उद्घाटन एवं छत्रपति शिवाजी महाराज सामरिक एवं संरक्षण शोध केंद्र का शिलान्यास करने पहुंचे थे। इस मौके पर वे पत्रकारों से बात कर रहे थे। फडणवीस ने कहा कि मराठी भाषा को सांस्कृतिक भाषा का दर्जा प्राप्त होने के बाद जेएनयू में मराठी शोध केंद्र की शुरूआत होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भाषा संवाद का माध्यम है। इसे विवाद का विषय नहीं बनाना चाहिए।इस तरह मुख्यमंत्री ने एक बार फिर मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे को बता दिया है कि भाषा के नाम पर महाराष्ट्र में मारपीट की घटना को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सीएम फडणवीस ने यह कड़ी चेतावनी ऐसे वक्त पर दी है जब महाराष्ट्र के राज्यपाल पहले ही भाषा विवाद पर चिंता जता चुके हैं। उन्होंने मनसे द्वारा लोगों को पीटने की तुलना तुच्छ राजनीति से की थी। राज्यपाल ने कहा था कि मुझे मारेंगेतो क्या मैं मराठी बोलूंगा। राज्यपाल ने यह भी कहा था कि अगर नफरत फैलाएंगे तो निवेश के लिए कौन आएंगा। इस पर मनसे ने कहा था कि निवेश बाद में है मराठी पहले है। राज्यपाल के बयान पर शिवसेना यूबीटी के प्रवक्ता आनंद दुबे ने आग्रह किया था कि राज्य में मराठी को तवज्जो मिले। वह आग्रह करते हैं कि राज्यपाल भी अगला भाषण मराठी में दें।

पश्चिम रेलवे

विद्युत (ऊर्जा) कार्य

वरि. डीईई/पी/मुंबई सेंट्रल, मुंबई द्वारा ई-निविदा क्र. : ईएल-81-784-डब्ल्यूए-21 (आर) दि. 21.07.2025 आमंत्रित की जाती है. **कार्य एवं स्थान : चर्चगेट – जलगांव** : ट्रैक मशीन साइडिंग में सम्बद्ध सुविधाओं का पुनर्वास तथा टीटीआर (सीएस) – 12 सेट्स, टीटीआर (एफएस+सीएस+सीएमएससी) – 8 सेट्स के संबंध में विद्युत (ऊर्जा) कार्य. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 19,41,822/-. **ईएमडी** : रु. 38,800/-. **जमा करने की तिथि एवं समय** : 25.08.2025, 15.00 बजे तक. **खुलने की तिथि एवं समय** : 25.08.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0425

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

विभिन्न सामग्री की आपूर्ति

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना क्र. एस/48/2025 दिनांक 24.07.2025

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना क्र. एस-44-2025 दिनांक : 11.07.2025 अंतर्गत अ.क्र. 377 हेतु पूर्व-बोली कांफ्रेंस **दि. 29.07.2025 को सुबह 11.00** बजे आयोजित की जाएगी.

विस्तृत सूचना ईएमडी, क्रय प्रतिबंधों और विस्तृत निविदा शर्तों के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिये कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** तथा **wr.indianrailways.gov.in** का अवलोकन करें. 0432

Like us on : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

विभिन्न कार्य

वरि. मंडल विद्युत अभियंता (कोचिंग) मुंबई सेंट्रल-08 द्वारा निम्नलिखित निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं. अ.क्र. 01. **निविदा सूचना क्र. : डब्ल्यूआर-एमएमसीटी0ईसीओए (ईसीटीडी)8/2025 (कम्प्यूटर नं. 611029) ओ/ओ वरि. डीईई/सीएचजी/बीसीटी/डब्ल्यूआर. कार्य का नाम** : बल्क आरएसपी-2024-25 अंतर्गत एलएचबी एसी कोचेस के आरएमपीयू के सेट्स के रिफर्बिशमेंट का प्रावधान. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 91,22,580/-. **बोली सुरक्षा** : रु. 1,82,500/-. **अ.क्र. 02. निविदा सूचना क्र. : डब्ल्यूआर-एमएमसीटी0ईसीओए (ईसीएसटी) 4/2024 (कम्प्यूटर नं. 585768) ओ/ओ वरि. डीईई/सीएचजी/बीसीटी/डब्ल्यूआर. कार्य का नाम** : एलएचबी टाइप राजधानी कोचेस में पुराने पैंट्री उपकरण के प्रतिस्थापन हेतु कम्पोजिट पैंटी का प्रावधान. **कार्य की अनुमानित लागत** : रु. 1,91,670/-. **बोली सुरक्षा** : रु. 3,800/-. **दोनों निविदाएं जमा करने की तिथि एवं समय** : 20.08.2025 को 15.00 बजे तक. **दोनों निविदाएं खुलने की तिथि एवं समय** : 20.08.2025 को 15.30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** का अवलोकन करें. 0428

Like us on : facebook.com/WesternRly

उल्हासनगर के अशोक-अनिल मल्टीप्लेक्स में आज छोरियों अंगिया छेरा पुठियां फिल्म का विशेष प्रीमियर।

सिंधी भाषा संस्कृति के प्रसार के लिए सिंधी सिनेमा को प्रोत्साहन देना जरूरी है - जगदीश तेजवानी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

उल्हासनगर. उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश तेजवानी ने आज अशोक-अनिल मल्टीप्लेक्स (मिराज सिनेमा) में रात 8 बजे वी-टीवी प्रोडक्शन हाउस द्वारा निर्मित छोरियों अंगिया छोरा पुठियां नामक फिल्म का विशेष प्रीमियर शो रखा है। यह फिल्म पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित है जो परिवार के सभी लोगों का मनोरंजन करेगी। इस फिल्म का निर्देशन दीपक वाटवानी ने किया है। फिल्म निर्माण और प्रदर्शन में लाल पिंजानी, अपर्णा मैडम और विजय मूलचंदानी ने विशेष सहयोग दिया। उल्हासनगर व्यापारी एसोसिएशन के अध्यक्ष जगदीश तेजवानी ने इस फिल्म के विशेष प्रीमियर शो के संबंध में बताते हुए कहा कि इस फिल्म के माध्यम से सिंधी भाषा,सभ्यता संस्कृति,सिंधी कला और कलाकारों को प्रोत्साहन देते हुए सिंधी फिल्मों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने आगे कहा कि समाज के सक्रिय और जागरूक लोगों के सामूहिक प्रयासों से ही यह संभव हो पाएगा। सिंधी फिल्मों के प्रचार प्रसार से फिल्म इंडस्ट्री के साथ साथ सिंधी समाज के भी विकास होगा।

बिना अनुमति येऊर में निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों पर प्रतिबंध

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,येऊर पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है। ठाणे मनपा के नगर विकास विभाग द्वारा जारी निर्माण अनुमति के बिना येऊर में किसी भी प्रकार की निर्माण सामग्री का परिवहन नहीं किया जा सकेगा। साथ ही, जिन लोगों को निर्माण अनुमति प्राप्त हुई है, उन्हें वन विभाग के प्रवेश द्वार पर स्थित चेकपॉइंट पर निर्माण सामग्री का औपचारिक रिकॉर्ड, निर्माण सामग्री का प्रकार और वाहनों की विस्तृत जानकारी देना अनिवार्य किया गया है। उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार येऊर में अनधिकृत टर्फ पर कार्रवाई चल रही है। मनपा मुख्यालय में आयोजित एक बैठक में आयुक्त सौरभ राव ने इसकी समीक्षा की। मनपा आयुक्त सौरभ राव की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में अपर आयुक्त प्रशांत रोडे, पुलिस उपायुक्त प्रशांत कदम, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र के वन अधिकारी मयूर सुरवसे, विधि अधिकारी मकरंद काले, उपायुक्त शंकर पटोले, उपायुक्त दिनेश तायडे, उपायुक्त मधुकर बोडके, शहर विकास विभाग के कार्यपालक अभियंता देवेंद्र नेर आदि उपस्थित थे। येऊर में 10 टर्फ संरचनाओं में से 8 संरचनाओं को पहले ही बेदखल किया जा चुका है। उपायुक्त दिनेश तायडे ने बैठक में बताया कि शेष एक टर्फ को हटाने की समय सीमा समाप्त हो जाने के कारण एक टर्फ को हटाने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने यह भी बताया कि सभी अनधिकृत व्यावसायिक संरचनाओं का सर्वेक्षण किया जा रहा है। येऊर में अनधिकृत व्यावसायिक संरचनाओं का सर्वेक्षण करते समय, अतिक्रमण विभाग नगरीय विकास विभाग और संपत्ति कर विभाग के सहयोग से भौतिक निरीक्षण करे। इसमें सभी अनधिकृत व्यावसायिक संरचनाओं को उनके प्रकार के अनुसार वर्गीकृत किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि भूमि का उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाए जिस प्रकार की अनुमति उन्हें दी गई है। आयुक्त सौरभ राव ने स्पष्ट किया कि यह जाँच की जानी चाहिए कि क्या उनके पास पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र की अनुमति, मनपा से निर्माण परमिट और खाद्य एवं औषधि प्रशासन से लाइसेंस है। उन्होंने यह भी कहा कि सहायक आयुक्त अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ तुरंत मामला दर्ज करें। येउर एक बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। वायुसेना को भी वहाँ निर्माण और प्रकाश व्यवस्था के बारे में शिकायतें मिली हैं। इस पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही, इस क्षेत्र में उच्च-शक्ति वाले लैंप का उपयोग भी प्रतिबंधित है। इसलिए मनपा की ओर से महावितरण कंपनी को उच्च-वोल्टेज बिजली आपूर्ति प्रदान करते समय सावधानी बरतने के निर्देश भेजे जाएँगे, आयुक्त राव ने यह भी कहा। आयुक्त राव ने इस बैठक में यह भी स्पष्ट किया कि निजी बंगला मालिकों को अपने परिसर में अनावश्यक प्रकाश व्यवस्था, लाउडस्पीकर का उपयोग और पटाखे नहीं फोड़ने चाहिए। इस संबंध में, पिछले कुछ वर्षों में येउर में 188 लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। इस बीच, पुलिस उपायुक्त (जोन 5) प्रशांत कदम ने बताया कि पटाखे फोड़ने, लाउडस्पीकर बजाने आदि के मामलों में 18 मामले दर्ज किए गए हैं। पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील येऊर क्षेत्र में कई समस्याएँ हैं। इस क्षेत्र की सुरक्षा के लिए मनपा के अतिरिक्त आयुक्त की अध्यक्षता में एक समन्वय समिति का गठन किया जा रहा है ताकि सभी प्रणालियों के माध्यम से येऊर का सुनियोजित प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके। आयुक्त राव ने बताया कि इसमें मनपा, वन विभाग, पुलिस, वायु सेना, राजस्व, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, महावितरण के वरिष्ठ अधिकारी और गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। ऐसी समिति का विचार याचिकाकर्ता रोहित जोशी ने रखा था।

फास्ट ट्रैक

करोड़ों की लागत से हुए मसुंदा तालाब के सौंदर्यीकरण की स्थिति दयनीय

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , करोड़ों रुपये खर्चकर स्मार्ट सिटी के नाम पर शहर का सुशोभीकरण किया गया है। मसुंदा तालाब के किनारे लापरवाही, घटिया निर्माण काम और मनपा प्रशासन की लापरवाही साफ दिखाई दे रही है। ठाणे कांग्रेस का आरोप है कि यहाँ लगी रेलिंग, कांच के रास्ते और एलईडी लाइट सिस्टम जर्जर हालत में होने के कारण दुर्घटना की आशंका बन गई है। ठाणे शहर का केंद्रबिंदु मसुंदा तालाब का कुछ साल पहले स्मार्ट सिटी के तहत सौंदर्यीकरण किया गया था। स्टील की रेलिंग, एलईडी लाइटिंग, कांच के रास्ते और 'हाई-फाई' जैसी बैठक सुविधाएं खूब पसंद की गईं। लेकिन अब ये सारी सुविधाएं धूल में मिल गई हैं। टूटी रेलिंग, टूटे कांच, उखड़े फुटपाथ, टूटी बेंच - ये सभी दृश्य आज नागरिकों की सुरक्षा के लिए खतरा बन रहे हैं। नागरिकों की बढ़ती शिकायतों के बाद, ठाणे कांग्रेस प्रवक्ता राहुल पिंगले के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक चौंकाने वाला तथ्य सामने आया। कांग्रेस ने टूटे हुए शीशे के पास सुरक्षा पट्टियाँ लगाकर प्रशासन को चेतावनी दी। पिंगले ने तुरंत मनपा के इंजीनियरों से संपर्क किया और घटनास्थल पर तुरंत मरम्मत की मांग की। कांग्रेस ने स्मार्ट सिटी के नाम पर हुए सभी कार्यों की जाँच की भी माँग की है। इस निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधि मंडल में सेवादल अध्यक्ष रवींद्र कोली, शहर उपाध्यक्ष बाबू यादव, ब्लॉक अध्यक्ष नीलेश पाटिल, ब्लॉक कार्यकारी अध्यक्ष नूरशीद शेख, युवा कांग्रेस के लोकेश घोलप, अमोल गंगुर्दे, विलास महादेश्वर और कई अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

रेड रन मैराथन प्रतियोगिता में 21 महाविद्यालयों ने लिया हिस्सा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे ,अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर जिला एड्स निवारण एवं नियंत्रण विभाग, सिविल अस्पताल ठाणे की ओर से और जीवनदीप शिक्षण संस्थान द्वारा संचालित कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, गोवेली के सौजन्य से, कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय, गोवेली द्वारा रेड रन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कुल 21 महाविद्यालयों ने हिस्सा लिया। इसका उद्घाटन संस्था के संस्थापक अध्यक्ष एवं कल्याण कृषि उपज मंडी समिति के अध्यक्ष रवींद्र घोड़विंदे और ग्रामीण अस्पताल, गोवेली की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दीपलक्ष्मी मेश्राम ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस प्रतियोगिता में 21 महाविद्यालयों के 200 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिताएँ बालक और बालिकाओं के लिए अलग-अलग समूहों में आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता का एक सुंदर संगम प्रस्तुत किया। लड़कों का समूह में हरिओम सिंह - एस.एस.टी. कॉलेज, विशाल कनौजिया - एस.एस.टी. कॉलेज, हरिओम मौर्य - बी.के. बिड़ला कॉलेज (रात्रिकालीन) एवं लड़कियों का समूह में सुजाता मुंडेकर - एस.एस.टी. कॉलेज, उल्हासनगर, अंकिता डी. पाल - एस.एस.टी. कॉलेज, उल्हासनगर, धनश्री वी. पडवल - वी.पी.एम. कॉलेज, किनवली क्रमशः विजेता बने हैं। कॉलेज प्रशासन, शिक्षकों, स्वयंसेवकों और जिला एड्स नियंत्रण विभाग, ठाणे ने इस कार्यक्रम की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल एक प्रतियोगिता नहीं था, बल्कि एचआईवी, एड्स, स्वास्थ्य साक्षरता के बारे में जागरूकता पैदा करना और युवाओं में सकारात्मक सोच का बीजारोपण करना भी था।

मनपा क्षेत्र में 151 अनधिकृत निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , मनपा के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने अब तक उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निदेशों और प्रभाग समिति के बीट निरीक्षकों द्वारा किए गए निरीक्षण में पाए गए 151 अनधिकृत निमार्णों के विरुद्ध कार्रवाई की है। यह कार्रवाई 19 जून से नियमित रूप से जारी है, जिसमें एमके कंपाउंड, शील में 21 इमारतों की बाड़ भी शामिल है। इन 151 अनधिकृत निमार्णों में से 117 निमार्णों को पूर्णतः बेदखल कर दिया गया है। जबकि, 34 निमार्णों में अनधिकृत अतिरिक्त निमार्णों को हटा दिया गया है। ठाणे मनपा क्षेत्र में अतिक्रमण विरोधी दस्ता 19 जून से नियमित रूप से कार्रवाई कर रहा है। इसके लिए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने नौ प्रभाग समिति क्षेत्रों में उपायुक्त स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में विशेष दल नियुक्त किए हैं। इस अभियान में प्राथमिकता प्रभाग समिति क्षेत्र में बीट निरीक्षकों द्वारा पंजीकृत और वर्तमान में चल रहे अनधिकृत निमार्णों को ध्वस्त करना है। अब तक ध्वस्त किए गए 117 अनधिकृत निमार्णों को पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया है। इस बीच, उपायुक्त (अतिक्रमण विभाग) शंकर पटोले ने बताया कि इनमें से 34 निमार्णों में अनधिकृत अतिरिक्त निमार्णों को हटा दिया गया है। मनपा क्षेत्र में अनधिकृत चालों, अनधिकृत बैठक निमार्णों, अतिरिक्त शेड, अतिरिक्त निर्माण, चबूतरे के निर्माण, अनधिकृत टर्फ के खिलाफ कार्रवाई की गई है। उपायुक्त पटोले ने यह भी बताया कि यह कार्रवाई नियमित रूप से जारी रहेगी। अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे इस अभियान के कार्यान्वयन और वास्तविक कार्रवाई की दैनिक समीक्षा कर रहे हैं। अतिक्रमण विरोधी कार्रवाई में उपायुक्त, सभी सहायक आयुक्त, कार्यपालक अभियंता, अतिक्रमण एवं निर्माण विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए। इस अभियान में पोकलेन, जेसीबी, गैस कटर, ट्रैक्टर ब्रेकर और मानव बल का उपयोग किया जा रहा है। यह अभियान पुलिस और महाराष्ट्र सुरक्षा बल के जवानों की निगरानी में चलाया जा रहा है।

स्वस्थ महिला अभियान के संबंध में आशा कार्यकर्ता महिलाओं में जागरूकता फैलाएँ : सौरभ राव

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

ठाणे , महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और समय पर बीमारियों का निदान करने के लिए, ठाणे मनपा के स्वास्थ्य केंद्र में उपमुख्यमंत्री स्वस्थ महिला अभियान चलाया जा रहा है। भागदौड़ भरी ज़िंदगी में, महिलाएँ अक्सर अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा कर देती हैं। स्वास्थ्य एक निवेश है और महिलाओं को समय पर जाँच करवानी चाहिए, इसलिए मनपा आयुक्त सौरभ राव ने विभिन्न क्षेत्रों में जाने वाली आशा कार्यकताओं से महिलाओं में जागरूकता फैलाने और उन्हें इस अभियान में शामिल करने की अपील की है। ठाणे मनपा के कासर वडवली स्थित रोजा गार्डेनिया स्वास्थ्य केंद्र में उपमुख्यमंत्री स्वस्थ महिला अभियान का आयोजन किया गया। वे इस अवसर पर बोल रहे थे। कार्यक्रम में उपायुक्त उमेश बिरारी, चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल, मातृ एवं शिशु कल्याण अधिकारी डॉ. वर्षा ससाने, रोटरी क्लब के अशोक महाजन, डॉ. अनघा कारखानिस, स्वास्थ्य केंद्र की नर्सें और आशा कार्यकर्ता उपस्थित थीं। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर दुनिया में दूसरी सबसे आम बीमारी है और इसका इलाज तभी संभव है जब इसका समय पर पता चल जाए। अपने परिवार की महिलाएं अपने स्थायी परिवार पर ध्यान देते हुए अपने स्वास्थ्य की उपेक्षा करती हैं। बदलती जीवनशैली का उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ता है, इसलिए आयुक्त ने यह भी बताया कि झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में महिलाओं की समय पर जाँच करवाने के तरीके के बारे में जागरूकता पैदा करना आवश्यक है। उन्होंने आशा कार्यकताओं के माध्यम से मनपा के स्वास्थ्य केंद्र में जाँच के लिए आने वाली महिलाओं से बातचीत करके उन्हें इस अभियान में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। इस अभियान का शुभारंभ 19 जुलाई को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कोरस स्वास्थ्य केंद्र में किया था। आयुक्त ने बताया कि इस बार 50 महिलाओं की जाँच करने का इरादा था, लेकिन पहले ही दिन महिलाओं की सहज प्रतिक्रिया के कारण, दो घंटे में 269 महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर की जाँच की गई। उन्होंने कहा कि अब से यह अभियान ठाणे मनपा के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा। इस अभियान के माध्यम से महिलाओं की निःशुल्क चिकित्सा जाँच की जा रही है। चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल ने बताया कि इस अभियान में सर्वाइकल कैंसर, 9 से 14 वर्ष की लड़कियों के लिए एचपीवी वैक्सीन, मधुमेह और हीमोग्लोबिन की जाँच के साथ-साथ महिलाओं की स्वस्थ और स्वच्छ जीवनशैली के बारे में संवाद आदि शामिल हैं। इस अवसर पर आयुक्त सौरभ राव ने रोजा गार्डेनिया स्वास्थ्य केंद्र के डायलिसिस केंद्र, गहन चिकित्सा इकाई, शल्य चिकित्सा कक्ष आदि का निरीक्षण किया। आयुक्त सौरभ राव ने स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की प्रशंसा की।

पति और ससुराल वालों पर महिला का गंभीर आरोप

- मारपीट कर मायके में छोड़ा, जबरदस्ती करने और रास्ते में फेंकने की कोशिश का दावा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, एक महिला ने अपने पति और ससुराल वालों पर मारपीट कर उसे मायके में छोड़ने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की गई और उसे कार से कहीं फेंकने का प्रयास भी किया गया। थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र की रहने वाली महिला की शादी फरुर्खाबाद जिले में हुई थी। महिला का पति और ससुराल पक्ष से विवाद चल रहा था। एक महीने पहले समझौता होने के बाद पीड़िता ससुराल गई थी। ससुराल पक्ष के लोग उसे मायके छोड़ने आए और गांव में ही छोड़कर चले गए। मायके पक्ष ने डायल 112 पर कॉल करके सूचना दी। पुलिस ने घायल महिला को राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उसके साथ जबरदस्ती करने की कोशिश की गई। जब उसने शोर मचाया तो उसे कार में बैठाकर घुमाने के बहाने ले गए। कार में उसके साथ मारपीट की गई। जब उसने कार के अंदर से शोर मचाया तो वे लोग रास्ते में छोड़कर भागने लगे। पीड़िता ने बताया कि जब उसने पैर छूए तो वे उसे मायके छोड़ने के लिए गांव आए। उसका आरोप है कि वे उसे रास्ते में मारकर फेंकने वाले थे। थाना प्रभारी ने बताया कि यह पति-पत्नी के बीच विवाद का मामला है। ससुराल पक्ष के लोग उसे मायके छोड़कर चले गए। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर ली है और घटना की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पीड़िता का अस्पताल में इलाज जारी है।

विद्युत व्यवस्था से 18 गांवों के किसान परेशान

पावर हाउस पर किया प्रदर्शन, बोलें-सिंचाई न होने से फसलें सूख रही

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, जनपद के खुदागंज ब्लॉक क्षेत्र के लगभग डेढ़ दर्जन गांवों के लोगों ने खुदागंज पावर हाउस पर पहुंचकर बदहाल विद्युत व्यवस्था पर नाराजगी जताई है। किसानों ने ट्रिपलिंग की समस्या को गंभीर बताया और समस्या का समाधान न होने पर आत्महत्या करने तक की धमकी दी है। क्षेत्र के लगभग डेढ़ दर्जन गांवों के लोग एकत्र होकर पावर हाउस पहुंचे। अधिकारियों को मौजूद न पाकर उनका गुस्सा और बढ़ गया। पीड़ित ग्रामीणों ने बताया कि बीते लगभग एक माह से क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है। किसी भी ग्रामीण का एक एकड़ धान का खेत अभी तक भरा नहीं जा सका है। ग्रामीणों के अनुसार, जब विद्युत विभाग सप्लाई चालू करता है तो इतनी ट्रिपलिंग होती है कि कोई भी काम संभव नहीं हो पाता। पूर्व जिला पंचायत सदस्य और गांव सूथा निवासी बसंत सिंह ने आक्रोश जताते हुए कहा कि या तो समस्या का निदान होगा या फिर किसान आत्महत्या करने के लिए मजबूर होंगे। खुदागंज विकासखंड क्षेत्र के ग्रामीणों में बिजली की इस बदहाल व्यवस्था को लेकर काफी आक्रोश है।

तहसीलदार पर भ्रष्टाचार का आरोप

- धरने पर बैठे वकील, पुलिस बुलानी पड़ी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, पुवायां तहसील में तहसीलदार राघवेश मणि त्रिपाठी और अधिवक्ताओं के बीच विवाद गहरा गया। अधिवक्ताओं ने तहसीलदार पर भ्रष्टाचार और कार्य में लापरवाही के आरोप लगाए। इसके बाद अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में धरना शुरू कर दिया। कुछ अधिवक्ता तहसीलदार के चेंबर में फाइलों के निस्तारण के संबंध में पहुंचे थे। वहां किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में तीखी बहस हो गई। अधिवक्ताओं का आरोप है कि तहसीलदार बिना रिश्वत के कोई भी कार्य नहीं करते। वे जानबूझकर फाइलों पर आपत्तियाँ लगाकर कार्य में बाधा उत्पन्न करते हैं। वकीलों का कहना है कि तहसीलदार कार्यालय में समय पर नहीं बैठते। वे आम जनता को परेशान करते हैं। इसके विरोध में अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में धरना शुरू कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक तहसीलदार को हटाया नहीं जाएगा, उनका आंदोलन जारी रहेगा। उधर, तहसीलदार राघवेश मणि त्रिपाठी ने भी खुद को निर्दोष बताते हुए तहसील परिसर में ही धरना दे दिया। इस तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। फिलहाल प्रशासन दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश में जुटा है।

करंट लगने से किसान की मौत

खेत में जाते समय हादसा, हाई टेंशन तार टूट कर गिरा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, मीरानपुर कटरा थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। बाजपुर कुमरखा गांव के 65 वर्षीय रामप्रसाद की हाई टेंशन लाइन के टूटे तार से करंट लगने से मौत हो गई। रामप्रसाद साइकिल से अपने खेत पर घास लेने जा रहे थे। खेतों के चक मार्ग पर हाई टेंशन लाइन का विद्युत तार टूटा पड़ा था जिसमें करंट आ रहा था। रामप्रसाद अनजाने में इस तार की चपेट में आ गए। करंट लगने से वे बुरी तरह झुलस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के पुत्र अनिल ने थाना पुलिस को तहरीर देकर हादसे के लिए विद्युत विभाग के कर्मचारियों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने विद्युत विभाग के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। थाना प्रभारी जुगल किशोर पाल ने बताया कि तहरीर और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्यवाही की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर बिजली विभाग की लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रभारी मंत्री ने पीड़ित परिवार से मुलाकात की

परिजनों ने गन लाइसेंस और आर्थिक मदद मांगी, मोबाइल विवाद में हुई थी युवक की हत्या

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, दस दिन पहले मोबाइल विवाद में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। मृतक अरविंद कश्यप थाना मदनापुर के प्रतापपुर गहवरा के निवासी थे। घटना उस समय हुई जब अरविंद अपना मोबाइल देख रहे थे। गांव के रहने वाले सरवन सिंह के बेटे ने अरविंद से मोबाइल मांगा। छीना-झपटी में मोबाइल गिरकर टूट गया। अरविंद ने बच्चे को भगाया तो बच्चे ने पिता से पीटने का आरोप लगा दिया। इसके बाद सरवन ने अरविंद को घर के बाहर बुलाकर पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद लापरवाही के कारण एसपी ने अपराध निरीक्षक को लाइन हाजिर किया था। प्रभारी मंत्री नरेंद्र कश्यप देर रात शाहजहांपुर पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से बैठक करने के बाद एसपी राजेश द्विवेदी के साथ पीड़ित परिवार से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मंत्री ने परिवार से घटनाक्रम की जानकारी ली। परिवार ने सुरक्षा के लिए असलाह लाइसेंस और आर्थिक सहायता की मांग की। परिजनों ने बताया कि अरविंद उनका सहारा था और अब परिवार पर बहुत जिम्मेदारियां हैं। प्रभारी मंत्री ने उनकी मांगों को जल्द पूरा करने का आश्वासन दिया। इससे पहले सपा प्रतिनिधिमंडल भी परिवार से मुलाकात कर चुका है। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधिकारियों से फोन पर वार्ता कर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी।

उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा दिया था। प्रतिनिधिमंडल के पहुंचने से पहले ही पुलिस ने मुख्य आरोपी सरवन को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया था।

26 करोड़ की लागत से स्पोर्ट्स-स्टेडियम का जीर्णोद्धार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर, हथौड़ा स्थित स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण 26 करोड़ 32 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है। प्रभारी मंत्री नरेंद्र कश्यप ने अधिकारियों के साथ स्टेडियम का निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से निर्माण कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। स्टेडियम का निर्माण उत्तर प्रदेश समाज कल्याण निर्माण निगम और उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। मंत्री ने निमार्णाधीन तरणताल (स्विमिंग पूल) का निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने बहुउद्देशीय क्रिया हॉल का भी जायजा लिया, जहां मुख्य रूप से बैडमिंटन खेला जाएगा। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने बैडमिंटन हॉल की दीवारों पर लगी ओपन वायरिंग को अंडरग्राउंड करने के निर्देश दिए। उन्होंने हॉल के अंदर पुट्टी का प्रयोग करके दोबारा रंगाई करवाने के भी आदेश दिए।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद
डॉ राम किशोर शर्मा
पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित,
2-संरक्षक-भारत संवाद
आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय
भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ
3-संरक्षक-भारत संवाद
गजानन महतपुरकर
(सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त)
4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद)
जगन्नाथ तिवारी
5-उपसंपादक (भारत संवाद)
माता प्रसाद शर्मा
6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण (भारत संवाद)
आशीष कुमार शर्मा

मालदीव 150 साल में बौद्ध से इस्लामी देश बना

2500 साल पुराना इतिहास; 1200 द्वीपों पर फैला; 25 साल में 80% डूबने का खतरा

एजेंसी

माले, भारत के दक्षिण में हिंद महासागर में स्थित मालदीव साउथ एशिया का सबसे छोटा देश है। 1200 द्वीपों में फैले इस देश का क्षेत्रफल 298 वर्ग किलोमीटर है, जो दिल्ली से भी पांच गुना कम है। पीएम मोदी आज दो दिन के दौरे पर मालदीव पहुंचे हैं। इस देश का इतिहास लगभग 2500 साल पुराना है। 5 लाख की आबादी वाले मालदीव में 98% लोग मुस्लिम हैं, लेकिन लगभग 900 साल पहले यह बौद्ध और उससे पहले हिंदू धर्म का प्रमुख केंद्र था। 12 सदी में इस देश के राजा ने इस्लाम धर्म अपना लिया था, जिसके बाद 150 सालों में यह पूरी तरह मुस्लिम देश बन गया। वैज्ञानिक रिपोर्ट्स के मुताबिक जलवायु परिवर्तन की वजह से 25 साल में मालदीव का 80% हिस्सा डूब सकता है। करीब ढाई हजार साल पहले मालदीव में पहली बार लोगों ने बसना शुरू किया। कुछ ऐतिहासिक कहानियां बताती हैं कि मालदीव में प्राचीन राजतंत्र की नींव भारत के उड़ीसा (प्राचीन काल में

कलिंग) के राजा ब्रह्मदित्य के पुत्र, बौद्ध राजा श्री सूरुदासरुण आदित्य ने रखी थी। ऐसा माना जाता है कि उन्हीं के शासनकाल में बौद्ध धर्म मालदीव पहुंचा। इतिहासकारों का मानना है कि बौद्ध धर्म 1000 सालों से ज्यादा समय तक मालदीव का प्रमुख धर्म रहा। इस दौरान मालदीव की संस्कृति, भाषा और प्राचीन धिवेही लिपि का विकास हुआ। मालदीव में इस्लाम का प्रवेश 9वीं और 10वीं शताब्दी में अरब व्यापारियों के जरिए से हुआ था। मालदीव के अंतिम बौद्ध राजा धोवेमी ने साल 1153 में इस्लाम धर्म स्वीकार कर लिया था। प्राचीन दस्तावेजों के मुताबिक, माघरेबी (उत्तरी अफ्रीकी) के इस्लामी विद्वान अबु अल-बरकात यूसुफ अल-बरबरी ने राजा को इस्लाम में कन्वर्ट किया था। धोवेमी को सुल्तान सुल्तान मुहम्मद इब्न अब्दुल्लाह का नाम दिया गया था। इसके साथ ही मालदीव में इस्लामिक शासन की शुरूआत हुई। मालदीव को बौद्ध देश से इस्लामी राष्ट्र बनने में करीब 150 साल का वक्त लगा था। 2008 में मालदीव के नए संविधान ने इस्लाम को आधिकारिक धर्म घोषित कर दिया गया और नागरिकता के लिए इस्लाम को अनिवार्य बना दिया गया। मालदीव की लोककथाओं के मुताबिक राजा राजा धोवेमी के वक्त मालदीव में एक समुद्री राक्षस रन्नामारी का आतंक था। इस राक्षस को शांत करने के लिए हर महीने एक कुंवारी कन्या की बलि दी जाती थी। राजा हर महीने एक लॉटरी के जरिए एक लड़की को चुनता था। इसके बाद उस लड़की को रन्नामारी के लिए एक मीनार में रखा जाता था, और अगले दिन वह मरी हुई मिलती थी। एक बार जब एक परिवार की इकलौती बेटी की बलि के लिए चुना गया, तो परिवार बहुत दुखी हुआ। अबु अल-बरकात उस परिवार के घर ठहरे हुए थे। उन्होंने उस लड़की की जगह खुद मीनार में रात बिताने की पेशकश की। उस रात उन्होंने मीनार में कुरान की आयतें पढ़ीं। जब रन्नामारी आया, तो कुरान की आयतें सुनकर वह भाग गया। सुबह अबु अल-बरकात जीवित और सुरक्षित मिले। राजा धोवेमी ने अबु अल-बरकात से पूछा कि क्या वे रन्नामारी को हमेशा के लिए भगा सकते हैं। राजा ने वादा किया कि अगर राक्षस हमेशा के लिए भाग गया, तो वे पूरे देश को इस्लाम में कन्वर्ट कर देंगे। इसके बाद रन्नामारी फिर कभी नहीं लौटा। अपने वादे के मुताबिक, राजा धोवेमी ने इस्लाम स्वीकार कर लिया और देश में इस्लाम का प्रचार प्रसार करने लगे।

चीन के राज्य में 24 घंटे में सालभर जितनी बारिश

सड़क-घर डूबे, रेड अलर्ट जारी; 19 हजार लोगों को रेस्क्यू किया

एजेंसी

बीजिंग, नॉर्थ चीन के बाओडिंग शहर में शुक्रवार सुबह तक 24 घंटे में 448.7 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो एक साल की औसत बारिश (500 मिमी) के बराबर है। इस इंडस्ट्रियल शहर में भारी बारिश से बाढ़ आ गई। जिसके कारण सड़कें डूब गई, कई रास्ते और पुल टूट गए, और कुछ गांवों में बिजली गुल हो गई। बाओडिंग में शुक्रवार के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया। बाओडिंग हेबेई प्रांत का हिस्सा है और राजधानी बीजिंग के पास स्थित है। चाइना मेट्रोलॉजिकल एडमिनिस्ट्रेशन (सीएमए) के

मुताबिक, इस आपदा की वजह से 6 हजार घरों से 19 हजार से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। हेबेई और शानक्सी प्रांत में बाढ़ से निपटने के लिए सरकार ने राहत सामग्री भेजी है, जिनमें 23 हजार इमरजेंसी किट और कंबल शामिल हैं। बाओडिंग में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट जारी है, और हेबेई में इमरजेंसी तैयारियों बढ़ा दी गई हैं। बाओडिंग से 160 किमी दूर राजधानी बीजिंग में भी बारिश का खतरा बढ़ गया है। शुक्रवार दोपहर से शनिवार सुबह तक छह घंटे में 50 मिमी से ज्यादा बारिश की आशंका है, जिससे अचानक बाढ़, भूस्खलन और अन्य दुर्घटनाएं हो सकती हैं। उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया में भारी बारिश की वजह से कई पैसेंजर ट्रेनें शुक्रवार से मंगलवार तक रद्द कर दी गई हैं। बाढ़ की वजह से लाखों लोगों के विस्थापन के संकट का सामना करना पड़ रहा है। बाओडिंग के झुओझोउ इलाके को 2023 में भी भयानक बाढ़ से जूझना पड़ा था, इस बार फिर से 190 मिमी से ज्यादा बारिश की वजह से आफत में फंस गया है। कई पुल और सड़कें बंद हो गईं। सीएमए ने इस बारिश की तुलना 2023 के एक शक्तिशाली तूफान से की, जिसकी वजह से बीजिंग में 140 साल में सबसे बारिश हुई थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तरी चीन में हाल के सालों में रिकॉर्ड तोड़ बारिश जलवायु परिवर्तन से जुड़ी हो सकती है। हेबेई प्रांत में पिछले साल 640.3 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 26.6% ज्यादा थी। 2020 से हर साल एवरेज से ज्यादा बारिश हो रही है। पिछले साल बाओडिंग और आसपास के शहरों में सामान्य से 40% ज्यादा बारिश हुई थी।

किस-कैम विवाद में फंसी एस्ट्रोनॉमर की एचआर हेड का इस्तीफा

कोल्ड प्ले कॉन्सर्ट में सीईओ एंडी बायरन के साथ दिखी थी क्रिस्टिन कैबोट

एजेंसी

बोस्टन, कोल्डप्ले कॉन्सर्ट में सीईओ के साथ रोमांस करती दिखाई देने वाली अमेरिका की टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर की चीफ पीपल ऑफिसर (एचआर हेड) क्रिस्टिन कैबोट ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले कंपनी ने क्रिस्टिन कैबोट को छुट्टी पर भेज दिया था। वीडियो वायरल होने के बाद कंपनी के सीईओ एंडी बायरन पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। एंडी बायरन की जगह कंपनी के को-फाउंडर और चीफ प्रोडक्ट ऑफिसर पीट डेजॉय को अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया है। टेक कंपनी ने इस मामले में पूर्व सीईओ और एचआर (कैबोट) के बीच अफेयर की जांच भी शुरू कर दी है। कंपनी ने 19 जुलाई को अपने एक्स हैंडल पर यह अपडेट शेयर किया है। एस्ट्रोनॉमर क्या है और यह क्या करती है? एस्ट्रोनॉमर एक टेक्नोलॉजी कंपनी है। यह अपाचे एयरफ्लो पर बेस्ड एक डेटा ऑर्केस्ट्रेशन प्लेटफॉर्म है। कंपनी संस्थानों को डेटा प्रोसेसिंग, वर्कफ्लो मैनेजमेंट और डेटा एनालिटिक्स का काम करने में मदद करती है। डेटा प्रोसेसिंग और एनालिटिक्स- यह कंपनी डेटा पाइपलाइन को डिजाइन, मैनेज और स्केल करने में मदद करती है, जिससे डेटा प्रोसेसिंग तेज और सटीक होती है। यह डेटा की मदद से फैसले लेने में

मदद करती है। क्या है पूरा मामला? 18 जुलाई को मशहूर रॉक बैंड कोल्डप्ले के बोस्टन में आयोजित 'म्यूजिक ऑफ द स्फियर्स वर्ल्ड टूर' कॉन्सर्ट में टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर के सीईओ एंडी बायरन और उनकी कंपनी की चीफ पीपल ऑफिसर क्रिस्टिन कैबोट का वीडियो वायरल हो गया, जिसमें दोनों एक-दूसरे के बेहद करीब नजर आए। कॉन्सर्ट में क्या हुआ था? बैंड के फ्रंटमैन क्रिस मार्टिन ने अपनी परफॉर्मेंस के बीच दर्शकों के बीच लोकप्रिय किस कैम सेगमेंट शुरू किया, जिसमें कैमरा भीड़ में मौजूद जोड़ों पर फोकस करता है। जैसे ही कैमरा एंडी बायरन और क्रिस्टिन कैबोट पर रुका, दोनों को एक-दूसरे की बाहों में लिपटे हुए देखा गया। स्क्रीन पर उनकी तस्वीर आने के बाद दोनों असहज हो गए और चेहरा छिपाने की कोशिश करने लगे। क्रिस मार्टिन ने माहौल हल्का करने के लिए मजाक में कहा, 'अरे, इन दोनों को देखो! या तो इनका अफेयर है या ये बहुत शर्मीले हैं।' लोगों ने कहा- यह पत्नी के साथ धोखा कॉन्सर्ट के तुरंत बाद इस घटना का वीडियो टिकटॉक, रेडिट और एक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से फैल गया। कई यूजर्स ने इसे एक गंभीर 'चीटिंग स्कैंडल' कहा, क्योंकि एंडी बायरन की शादी मेगन केरिगन बायरन से हुई है और उनके दो बच्चे हैं। कुछ यूजर्स ने मेगन के प्रति सहानुभूति जताई, जबकि अन्य ने बायरन और कैबोट की इस हरकत को गैर-जिम्मेदार और मूर्खतापूर्ण बताया। एंडी बायरन और क्रिस्टिन कैबोट कौन हैं? एंडी बायरन जुलाई 2023 से सिनसिनाटी अमेरिका स्थित टेक कंपनी एस्ट्रोनॉमर के सीईओ हैं।

इटली के ब्रेशिया में एयरक्राफ्ट हाईवे पर गिरा

पति-पत्नी की मौत, दो घायल; उड़ान के तुरंत बाद कंट्रोल से बाहर हुआ

एजेंसी

रोम, इटली के ब्रेशिया के पास बुधवार (23 जुलाई) को अ21 कॉर्डमोल-ओस्पिटाले हाईवे पर एक अल्ट्रालाइट एयरक्राफ्ट क्रैश होकर हाईवे पर गिर गया। इस हादसे में विमान में बैठे 75 साल के वकील सर्जियो रवाग्लिया और उनकी 55 साल की पत्नी अन्ना मारिया डी

स्टेफानो की मौत हो गई। जबकि 2 लोग घायल हो गए। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, पायलट ने इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन स्पीड कम होने की वजह से विमान का कंट्रोल खो दिया। इटली की नेशनल एजेंसी फॉर फ्लाइट सेफ्टी ने हादसे की जांच शुरू कर दी है। इसका एक वीडियो सोशल माडिया पर वायरल हो रहा है स्थानीय निवासी एनजो ब्रेगोली ने बताया- एयरक्राफ्ट बहुत नीचे उड़ रहा था और अचानक घूमता हुआ सड़क पर गिर गया। इसके बाद जोरदार धमाका हुआ और आग फैल गई। एयरक्राफ्ट की टक्कर से दो कारों में आग लग गई। जिसमें एक ड्राइवर को गंभीर चोटें आईं और उसे अस्पताल ले जाया गया, जबकि दूसरे का मौके पर इलाज किया गया। फायरब्रिगेड, एम्बुलेंस और स्थानीय पुलिस शामिल तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया और हाईवे को दोनों तरफ से बंद कर दिया गया।

एसआईआर के खिलाफ संसद के मकर द्वार पर विपक्ष का प्रदर्शन

मल्लिकार्जुन खड़गे भी हुए शामिल

संसद के मकर द्वार पर यह विरोध प्रदर्शन, जो लगातार पाँचवें दिन भी जारी रहा, आयोजित किया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी नेता प्रियंका गांधी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी इस विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। सांसदों ने दिन के सत्र की शुरूआत से पहले संसद परिसर स्थित गांधी प्रतिमा से मार्च निकाला।

एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शुक्रवार को बिहार में मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ भारतीय राष्ट्रीय विकास समावेशी गठबंधन (इंडिया) के सांसदों के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। संसद के मकर द्वार पर यह विरोध प्रदर्शन, जो लगातार पाँचवें दिन भी जारी रहा, आयोजित किया गया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी नेता प्रियंका गांधी सहित कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने भी इस विरोध प्रदर्शन में भाग लिया। सांसदों ने दिन के सत्र की शुरूआत से पहले संसद परिसर स्थित गांधी प्रतिमा से मार्च निकाला। सांसदों को कई पोस्टर और एक बड़ा बैनर लिए देखा गया, जिस पर लिखा था, एसआईआर- लोकतंत्र पर हमला। संसद परिसर में इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए और मोदी सरकार मुदार्बाद और लोकतंत्र पर हमला बंद करो के नारे लगाए। सांसदों ने बिहार एसआईआर को अस्वीकार करने के प्रतीकात्मक संकेत में पोस्टर भी फाड़ दिए। विरोध प्रदर्शन से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, खड़गे ने कहा, ₹हम केवल उसी (विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान) के खिलाफ लड़ रहे हैं। विरोध प्रदर्शन में शामिल वायनाड की सांसद प्रियंका गांधी ने राजनीतिक दलों को अद्यतन मतदाता सूची उपलब्ध नहीं कराने के लिए चुनाव आयोग (ईसी) की आलोचना की। उन्होंने कहा कि उन्हें आरोपों का जवाब देना चाहिए। उन्हें हमें मतदाता सूची उपलब्ध करानी चाहिए, जिसकी हम माँग कर रहे हैं। पारदर्शिता होनी चाहिए। यह लोकतंत्र है। सभी राजनीतिक दलों को उस जानकारी तक पहुँच होनी चाहिए। यह जानकारी क्यों नहीं दी जा रही है? इस बीच, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को चुनाव आयोग को चेतावनी दी कि विपक्ष उन्हें चुनावी राज्य बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से नहीं बचने देगा। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने सदन की कार्यवाही स्थगित होने के तुरंत बाद संसद भवन के बाहर संवाददाताओं से कहा कि मैं चुनाव आयोग को संदेश देना चाहता हूँ: अगर आपको लगता है

संविधान की प्रस्तावना से सोशलिज्म और सेक्युलरिज्म शब्द हटाने का कोई इरादा नहीं

सरकार ने सदन में दिया जवाब

संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द हटाने की माँगों के बीच केंद्र सरकार ने कोई योजना न होने की बात कही है। सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही स्पष्ट किया है कि पंथनिरपेक्ष संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा है, वहीं समाजवादी शब्द कल्याणकारी राज्य को दशार्ता है।

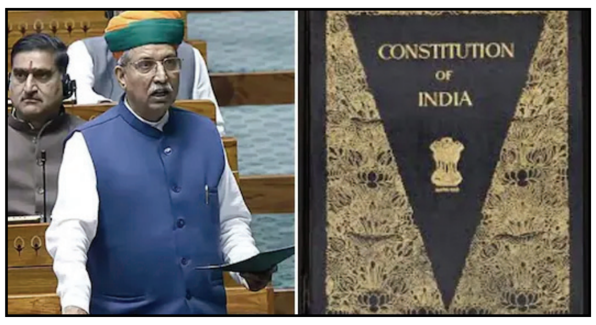

एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कहा कि संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्दों को हटाने की उसकी कोई योजना नहीं है। आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में इन दो शब्दों को शामिल किए जाने की समीक्षा की हालिया माँगों पर ध्यान दिलाते हुए, केंद्र ने कहा कि सरकार द्वारा कोई औपचारिक निर्णय या प्रस्ताव की घोषणा नहीं की गई है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में बताया, सरकार का आधिकारिक रुख यह है कि संविधान की प्रस्तावना से समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्दों पर पुनर्विचार करने या उन्हें हटाने की कोई योजना या इरादा नहीं है। मेघवाल ने आगे कहा कि प्रस्तावना में संशोधन के संबंध में किसी भी चर्चा के लिए गहन विचार-विमर्श और व्यापक सहमति की आवश्यकता होगी, लेकिन अभी तक, सरकार ने इन प्रावधानों को बदलने के लिए कोई औपचारिक प्रक्रिया शुरू नहीं की है। कुछ सामाजिक संगठनों द्वारा छेड़े गए विमर्श पर टिप्पणी करते हुए, मेघवाल ने कहा कि कुछ समूह अपनी राय व्यक्त कर रहे होंगे या विशिष्ट शब्दों के पुनर्मूल्यांकन की मांग कर रहे होंगे। उन्होंने कहा, ऐसी गतिविधियाँ मुद्दे पर सार्वजनिक विमर्श या माहौल बना सकती हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं कि सरकार के आधिकारिक रुख या कार्यों को प्रतिबिंबित करे। मेघवाल ने बताया कि नवंबर 2024 में, उच्चतम न्यायालय ने 1976 के संशोधन (42वां संविधान संशोधन) को चुनौती देने वाली याचिकाओं को यह उल्लेख करते हुए खारिज कर दिया था कि संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति प्रस्तावना तक विस्तारित है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि भारतीय संदर्भ में समाजवादी एक कल्याणकारी राज्य (शासन) को व्यक्त करता है और निजी क्षेत्र के विकास में बाधा नहीं डालता है वहीं पंथनिरपेक्ष संविधान के मूल ढांचे का अभिन्न हिस्सा है। आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले ने पिछले महीने प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्दों को बनाए रखने पर राष्ट्रीय बहस का आान करके राजनीतिक हंगामा खड़ा कर दिया था। फिर उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने इस पर जोर देते हुए कहा कि प्रस्तावना पवित्र है और बदली नहीं जा सकती। उन्होंने एक कदम आगे बढ़कर उन शब्दों को जोड़ने को सनातन की भावना का अपमान बताया। होसबोले की टिप्पणी पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि आरएसएस-भाजपा को संविधान नहीं चाहिए

मणिपुर में छह महीने के लिए बढ़ा राष्ट्रपति शासन, संसद में प्रस्ताव को मंजूरी

मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था, पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के तुरंत बाद, जिसका मुख्य कारण मैतेई समुदाय से संबंधित साथी भाजपा विधायकों द्वारा बढ़ते राजनीतिक दबाव था, जो उनके नेतृत्व का विरोध कर रहे थे।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा लोकसभा में पेश किए गए एक प्रस्ताव के बाद, मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने के लिए बढ़ा दी गई है। यह विस्तार 13 अगस्त, 2025 से प्रभावी होगा। आधिकारिक सूचना के अनुसार, यह सदन राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 356 के अंतर्गत मणिपुर के संबंध में 13 फरवरी, 2025 को जारी की गई उद्घोषणा को 13 अगस्त, 2025 से छह महीने की अतिरिक्त अवधि के लिए लागू रखने का अनुमोदन करता है। मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था, पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के तुरंत बाद, जिसका मुख्य कारण मैतेई समुदाय से संबंधित साथी भाजपा विधायकों द्वारा बढ़ते राजनीतिक दबाव था, जो उनके नेतृत्व का विरोध कर रहे थे। राष्ट्रपति शासन की अवधि बढ़ाने का यह कदम सत्तारूढ़ एनडीए के मीतेई और नागा विधायकों द्वारा राज्य में निर्वाचित सरकार की बहाली के लिए लगातार किए जा रहे प्रयासों के बीच उठाया गया है। संविधान के अनुच्छेद 356(3) के तहत, राष्ट्रपति शासन राज्यपाल के कार्यालय के माध्यम से लागू किया जाता है, जो आमतौर पर छह महीने तक चलता है

दिल्ली की सीसीटीबी परियोजना पर सवाल: 32,000 कैमरे खराब

15,000 का अता-पता नहीं, ऑडिट कराएगी सरकार

70 विधानसभा क्षेत्रों में लगाए गए 2.64 लाख सीसीटीवी कैमरों में से 32,000 से ज्यादा कैमरे काम नहीं कर रहे हैं, जबकि 15,000 से ज्यादा कैमरे अभी भी लगे नहीं हैं। कई इलाकों में, लगाए गए कैमरों की संख्या स्वीकृत संख्या से काफी कम है।

एजेंसी

दिल्ली में पिछली सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी सीसीटीवी परियोजना, गंभीर खामियों का पता चलने के बाद जांच के दायरे में आ गई है। 70 विधानसभा क्षेत्रों में लगाए गए 2.64 लाख सीसीटीवी कैमरों में से 32,000 से ज्यादा कैमरे काम नहीं कर रहे हैं, जबकि 15,000 से ज्यादा कैमरे अभी भी लगे नहीं हैं। कई इलाकों में, लगाए गए कैमरों की संख्या स्वीकृत संख्या से काफी कम है। इसके जवाब में, मौजूदा सरकार ने कमियों का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए पूरी परियोजना का व्यापक

तकनीकी ऑडिट कराने की घोषणा की है। इस बीच, 19 मार्च को, दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने आप नेता और पूर्व विधायक सत्येंद्र जैन के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी के लिए 571 करोड़ रुपये की सीसीटीवी परियोजना के संबंध में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया। संयुक्त पुलिस आयुक्त (सीपी) और एसीबी प्रमुख मधुर वर्मा के अनुसार, 7 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर कथित तौर पर 16 करोड़ रुपये के क्षतिपूर्ति मुआवजे को मनमाने ढंग से माफ कर दिया गया। पूर्व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए के तहत सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने के बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। एसीबी ने कहा, ₹सीसीटीवी लगाने में देरी के लिए 16 करोड़ रुपये का जुमार्ना माफ करने के लिए सत्येंद्र जैन को कथित तौर पर 7 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की व्यवस्था की गई थी। पिछली देरी के बावजूद, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को इस परियोजना के तहत 1.4 लाख कैमरों के अतिरिक्त ऑर्डर मिले। कथित तौर पर रिश्वत उन ठेकेदारों के माध्यम से दी गई, जिन्हें अतिरिक्त ऑर्डर से लाभ हुआ। अधिकारियों के अनुसार, परियोजना कथित तौर पर ₹घटिया तरीके से₹ पूरी की गई, जिसमें कई कैमरे परियोजना हस्तांतरण के समय भी खराब थे।

सफाईकर्मियों की पिटाई से भड़के नगरकर्मी

फूलपुर में झाड़ू लेकर कोतवाली पहुंचे, कार्रवाई न होने पर हड़ताल की चेतावनी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, नगर पंचायत फूलपुर क्षेत्र में दो सफाईकर्मियों पर हुए हमले के विरोध में नगर पंचायत के दर्जनों सफाईकर्मी और अन्य कर्मचारी एकजुट होकर कोतवाली पहुंचे। उन्होंने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। मामला पूरा अच्छई मोहल्ले का है। दो दिन पहले सफाईकर्मी चांद ड्यूटी पर गया था। आरोप है कि मोहल्ले के ही एक युवक ने किसी बात पर नाराज होकर उसकी पिटाई कर दी। इससे चांद के पैर में चोट आ गई। घटना के दो दिन बाद उसी मोहल्ले में सफाई करने पहुंचे पप्पू के साथ भी मारपीट हुई। पप्पू का आरोप है कि उसी युवक ने पहले उसे डराया-

धमकाया। फिर जलेबी व पकौड़ी लाने को मजबूर किया। जब जलेबी की मोटाई को लेकर कहा-सुनी हुई, तो युवक ने उसकी भी पिटाई कर दी।

इसके अलावा नगर के एंबुलेंस वाहन पर भी हाल ही में किसी युवक द्वारा पत्थरबाजी की घटना सामने आई है। इससे कर्मचारियों में और भी नाराजगी फैल गई है।

इन घटनाओं से आक्रोशित सफाईकर्मी व नगर पंचायत कर्मचारी एकत्र होकर जुलूस की शक्ल में कोतवाली पहुंचे। उन्होंने आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जा सकते हैं।

इससे नगर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामला उनके संज्ञान में है और जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

चोरी करने वाला चांद बाबू गिरफ्तार

8 मुकदमों में तलाश थी, चेकिंग के दौरान जीआरपी ने पकड़ा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज, यात्रियों की सुरक्षा और उनके सामान की रक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी दिशा में लगातार सक्रिय जीआरपी प्रयागराज ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। चलती ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर हो रही चोरी की घटनाओं की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक शातिर अपराधी चैतू उर्फ चाँद बाबू को गिरफ्तार किया गया है, जिसके कब्जे से कंपनी का एक कीमती मोबाइल फोन बरामद किया गया। यह कार्रवाई प्रयागराज रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 01 पर की गई, जहां उपनिरीक्षक संजय कुमार राय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को संदिग्ध स्थिति में पकड़ा।

पूछताछ के दौरान आरोपी ने मोबाइल चोरी की बात कबूल की। बरामद मोबाइल का मूल्य करीब

20,000 है।

रेलवे प्रशासन यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह सतर्क है

और इसी के तहत रेलवे पुलिस की ओर से लगातार निगरानी, गश्त और अभियान चलाए जा रहे हैं। चैतू उर्फ चाँद बाबू प्रयागराज के अतरसुईया थाना क्षेत्र का निवासी है और उस पर पहले से 8 गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें विस्फोटक अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट, रेलवे एक्ट और कई बार की चोरी की घटनाएं शामिल हैं। वह ट्रेनों और प्लेटफार्मों पर यात्रियों के मोबाइल व सामान चोरी कर बेचता था और उस पैसे से अपने ऐशो-आराम के लिए खर्च करता था।

संक्षेप

जमीन बेचने के नाम पर 18 लाख की ठगी

विरोध करने पर भू-माफियाओं ने पीटा और दी जान से मारने की धमकी

सुलतानपुर, नगर कोतवाली क्षेत्र निवासी मारूफ खान के साथ जमीन दिलाने के नाम पर ठगी और मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित मारूफ का आरोप है कि मोहम्मद सलीम उर्फ सल्लू, उनकी पत्नी शाहीन बानो और उनके सहयोगियों ने 28 लाख रुपये के एक फर्जी एग्रीमेंट के जरिए न सिर्फ उनका पैसा हड़प लिया, बल्कि उन्हें धमकाकर चुप भी कराना चाहा। मारूफ ने बताया कि उन्होंने शाहीन बानो को 9.33 लाख रुपये चेक व नकद दिए थे, जबकि पहले भी शाहीन के बेटे अरमान को 2.5 लाख का चेक और उतनी ही राशि नकद दी गई थी। कुल मिलाकर करीब 18 लाख रुपये की ठगी की गई। मामले में बड़ा खुलासा यह है कि शाहीन बानो की बेटी की शादी नोटबंदी के दौरान तय हुई थी। उसी दौरान बैंक से पैसा निकालने की सीमा से बचने के लिए यह पूरा जमीन का एग्रीमेंट रचा गया। शाहीन ने गांव के प्रतिष्ठित लोगों के सामने पैसा लेने की बात स्वीकारी और कहा कि अब जमीन पर उनका कोई हक नहीं। लेकिन शादी के कुछ महीने बाद वही जमीन 13 लाख में रिजवाना नाम की महिला को बेच दी गई, वह भी भू-माफिया रियाज उर्फ रानू और अजमत की मदद से।

युवती के धर्मांतरण का आरोप

पिता ने धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने की एफआईआर कराई, बहन बोली- लड़की खुद हमारे घर आई थी

सुलतानपुर, एक पिता ने अपनी बेटी के धर्मांतरण और अपहरण का मामला दर्ज कराया है। पिता का आरोप है कि उसी कॉलोनी का रहने वाला इमरान पिछले चार सालों से उसकी बेटी को बहला-फुसला रहा था। पिता के अनुसार इमरान लड़की को धमका रहा था और इस्लाम स्वीकार करने के लिए दबाव बना रहा था। 24 जुलाई की सुबह जब लड़की घर पर नहीं मिली, तो पिता उसे तलाशते हुए एक पार्क पहुंचे। वहां उन्हें अपनी बेटी इमरान के साथ मिली। पिता ने जब बेटी को घर चलने के लिए कहा, तो इमरान ने कहा कि ₹तुम्हारी बेटी अब तुम्हारी नहीं है। उसने इस्लाम स्वीकार कर लिया है और मुझसे निकाह कर लिया है।

अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई

ग्राम बल्लीपुर में छापेमारी, 47 लीटर कच्ची शराब और 250 किलो लहन बरामद

सुलतानपुर, अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई हुई है। जिलाधिकारी महोदय एवं उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निदेशानुसार यह अभियान चलाया गया। राजेश कुमार तिवारी, जिला आबकारी अधिकारी और उपजिलाधिकारी सदर के निर्देशन में आबकारी विभाग ने छापेमारी की। क्षेत्राधिकारी सदर सुल्तानपुर के मार्गदर्शन में संजय कुमार मिश्रा, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-1 सुल्तानपुर ने यह कार्रवाई की।

बोरिंग के विवाद में हुई मारपीट

- लेखपाल ने भूमि को बंजर बताकर रुकवाया काम, आरोपियों ने घर में घुसकर पीटा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, बंजर भूमि पर अवैध बोरिंग के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। बाजार शुकुल थाना क्षेत्र के ग्राम पारा निवासी देशराज उर्फ कौशल कुमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उनका आरोप है कि 23 जुलाई को जगन्नाथ पुत्र सियाराम ग्राम पंचायत की सार्वजनिक बंजर भूमि पर

बोरिंग करा रहे थे। देशराज ने इस पर आपत्ति जताते हुए लेखपाल को मौके पर बुलाया। लेखपाल ने जांच के बाद उक्त भूमि को बंजर पुष्टि करते हुए बोरिंग कार्य रुकवा दिया। इसी बात से नाराज होकर शाम करीब 6 बजे जगन्नाथ अपने साथियों दलबहादुर, वीर बहादुर और आशुतोष (जगदम्बा प्रसाद के पुत्र) के साथ देशराज के घर पहुंचे। आरोप है कि सभी ने घर में घुसकर देशराज को गालियां दीं और लाठी-डंडों से मारपीट की। पीड़ित का कहना है कि आरोपियों ने उसे धमकी भी दी कि अगर इस मामले की कहीं शिकायत की तो जान से मार देंगे।

देशराज ने बाजार शुकुल थाने में पहुंचकर मामले की शिकायत दर्ज कराई है। थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। यह विवाद सार्वजनिक भूमि के अतिक्रमण को लेकर शुरू हुआ था, जिसने बाद में हिंसक रूप ले लिया।

शिक्षामित्रों ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

8 साल से मानदेय में नहीं हुई बढ़ोतरी, 7 मांगे रखी, मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र सौंपा

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, शिक्षामित्रों ने जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार पांडेय के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। उन्होंने अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र मजिस्ट्रेट को सौंपा ।पिछले 25 वर्षों से परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में निष्ठापूर्वक शिक्षण कार्य कर रहे हैं। समायोजन रद्द होने के बाद से उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ गई है। मात्र 10 हजार रुपए मानदेय में बच्चों की पढ़ाई और वृद्ध माता-पिता की दवाई का खर्च वहन करना मुश्किल हो रहा है। धन के अभाव में वे गंभीर बीमारियों का इलाज भी नहीं करा पा रहे हैं। इसके कारण प्रतिदिन औसतन 2-3 शिक्षामित्र हार्ट अटैक, ब्रेन हैमरेज जैसी बीमारियों से अपनी जान गंवा रहे हैं। संगठन ने बताया कि वे शिक्षामित्रों को आर्थिक

संकट से उबारने के लिए सरकार से लगातार अनुरोध करते रहे हैं। लेकिन अगस्त 2017 के बाद से अब तक 8 वर्ष बीत जाने के बावजूद एक रुपये की भी वृद्धि नहीं हुई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शिक्षामित्रों का मानदेय पारिवारिक खर्च के लिए अपर्याप्त माना है। न्यायालय ने सरकार को उच्च स्तरीय कमेटी बनाकर समस्या का समाधान करने का निर्देश दिया है। शिक्षामित्र संघ की मांग है कि वर्तमान महंगाई को देखते हुए राजस्थान, उत्तराखंड, हरियाणा और बिहार की तरह उचित वेतन या मानदेय दिया जाए।

संघ ने सरकार से शिक्षामित्रों की दयनीय दशा पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का अनुरोध किया है। प्रदर्शन में शिक्षामित्रों ने मूल विद्यालय से वंचित शिक्षामित्रों को पुनः उनके मूल विद्यालय में समायोजित करने की मांग की।

बहू और गांव के लोगों ने किया हमला

- पीड़ित का आरोप- पुलिस ने पैसे मांगे और फोन जब्त किए, एसपी से न्याय मांगने पहुंची

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

सुलतानपुर, एक महिला ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थनापत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। मोतिगरपुर रामपुर गंगोलिया की बेबी ने बताया कि वो और उसका बेटा तसौवर अली घर पर थे। इसी दौरान उनकी बहू रेशमा, गांव के निन्हकू उर्फ नबी अहमद और उनकी पत्नी अतरूल निशां ने षड्यंत्र रचकर हमला किया। उन्होंने 18-20 अज्ञात लोगों के साथ लाठी, डंडा, धारदार हथियार और तमंचा लेकर धावा बोला। हमलावरों ने महिला और उसके बेटे को लात-घूसों से मारा। शोर मचने पर गांव के लोग इकट्ठा होने लगे। तसौवर ने डायल 112 पर पुलिस को बुलाया और वीडियो रिकॉर्डिंग शुरू की। इसके बाद सभी हमलावर बाइक पर भाग गए। डायल 112 की पुलिस ने पीछा किया लेकिन वे पकड़े नहीं गए।

महिला का आरोप है कि उसके बेटे ने थाने जाकर शिकायत की और वीडियो भी दिखाया। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

इसके विपरीत, थाने के प्रभारी और पुलिसकर्मियों ने उसके बेटे से रुपये की मांग की। पैसे न देने पर उसके बेटे को थाने के अंदर बुरी तरह पीटा गया। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि चौकी इंचार्ज बेलहरी भरत सिंह ने उसके बेटे के दोनों मोबाइल फोन छीन लिए। उसने थाने के सीसीटीवी फुटेज की जांच की मांग की है। पीड़िता ने बताया कि उसकी बहू रेशमा 21 जुलाई को घर से जेवर और 1,50,000 रुपये लेकर भाग गई थी। उसका आरोप है कि उसकी बहू का गांव के निन्हकू से अवैध संबंध है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

तेज रफ्तार एसयूवी ने बाइक को मारी टक्कर, आरोपी कार छोड़कर मौके से फरार

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी जिला, एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के रायबरेली रोड स्थित चौथीपुर गांव के पास दोपहर के समय एक तेज रफ्तार एसयूवी 700 कार ने बाइक को सामने से टक्कर मार दी ।हादसा इतना भीषण था कि बाइक सवार 55 वर्षीय श्री मौर्य की मौके पर ही मौत हो गई। श्री मौर्य दुलारे मौर्य के पुत्र थे। टक्कर के बाद कार सड़क से लगभग 100 फिट दूर एक गड्ढे में जा गिरी। कार का एयरबैग खुलने के कारण कार सवारों की जान बच गई। हादसे के बाद सभी कार सवार अपनी गाड़ी छोड़कर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही जगदीशपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस फरार हुए कार चालक की तलाश कर रही है। जगदीशपुर से रायबरेली की ओर जा रही एसयूवी कार ने यह हादसा किया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कार अत्यधिक तेज गति से चल रही थी।

जिससे चालक का नियंत्रण खो गया और यह दुर्घटना हुई।

नाली की खुदाई में मिले सोने के सिक्के

अलीगढ़ में प्रधान ने 11 सिक्के पुलिस को सौंपे, मजदूरों पर बाकी सिक्के बांटने का आरोप

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अलीगढ़ , थाना क्वार्सी क्षेत्र के गांव बरहेती में एक अनोखी घटना सामने आई है। नाली निर्माण के लिए हो रही खुदाई के दौरान सोने के कई सिक्के मिले हैं। ग्रामीणों ने बताया- जब नाली की खुदाई चल रही थी, तब मिट्टी से सोने-चांदी के सिक्के और सुरमेदानी जैसी वस्तुएं निकलीं। मजदूरों ने इनमें से 11 सोने के सिक्के ग्राम प्रधान को सौंप दिए। ग्राम प्रधान ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को प्रधान ने सभी 11 सिक्के सौंप दिए। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ और सिक्के भी मिले थे, जिन्हें मजदूरों ने आपस में बांट लिया। बताया जा रहा है कि गांव में सड़क किनारे नाली निर्माण को लेकर खुदाई चल रही

थी। गांव का पानी इकट्ठा न हो, इसको लेकर सड़क किनारे बने प्लाट (खेत) में 2 फीट का गड्ढा खोदा गया। ताकि उसमें गांव का पानी जा सके ।उसी दौरान 11 सोने के सिक्के मिले। जिन्हें बरामद कर पुलिस को ग्राम प्रधान ने दे दिया। फिलहाल खुदाई को बंद कर दिया गया है ।2 पुलिस कर्मी तैनात किए गए हैं। सोने के 1 सिक्के की कीमत 1.50 लाख बताई जा रही है। सिक्कों को पुरातत्व विभाग भेजा जाएगा। प्लाट मालिक महेशपुर गांव का बताया जा रहा है।

एक मजदूर का कहना है कि वह खुदाई शुरू होने के समय ही बेहोश हो गया था। उसे नहीं पता कि वहां क्या मिला और क्या हुआ। पुलिस अब इस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त सिक्कों के ऐतिहासिक महत्व का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इस तरह के पुरातात्विक महत्व के सामान मिलने से क्षेत्र में काफी उत्सुकता है।

बांके बिहारी कॉरिडोर के समर्थन में संस्थाएं

दो संगठनों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, कहा- भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जरूरी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

मथुरा, वृंदावन में बनने वाले बांके बिहारी कॉरिडोर के समर्थन में दो सामाजिक संस्थाओं ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। संस्थाओं के कार्यकताओं ने कहा कि यह कॉरिडोर समय की मांग है। कार्यकताओं ने बताया कि सरकार ने जो फैसला लिया है, वह स्वागत योग्य है। ठाकुर बांके बिहारी मंदिर पर प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। अधिक भीड़

और दबाव के कारण कई लोग परेशान होते हैं। कुछ श्रद्धालु बिना दर्शन किए ही वापस लौट जाते हैं। भीड़ में कई लोगों की तबीयत खराब हो जाती है। अब तक कई लोगों ने भगदड़ में अपनी जान भी गंवाई है। इन समस्याओं को देखते हुए दोनों समाजसेवी संगठनों ने कॉरिडोर निर्माण का समर्थन किया है। जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए संस्थाओं ने जल्द से जल्द कॉरिडोर निर्माण पूरा करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस कॉरिडोर से न केवल ब्रज क्षेत्र का विकास होगा, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यह परियोजना स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यटन को भी बढ़ावा देगी।

बारिश से किसानों को राहत

तेज आंधी और मूसलाधार बारिश से खेतों में लौटी नमी

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, ग्राम सभा कोयलारा मुबारकपुर में तेज आंधी के साथ मूसलाधार बारिश ने किसानों को राहत प्रदान की है। इस बारिश से रोपाई किए हुए खेतों में नमी वापस आ गई है। लंबे समय से सूखे की

स्थिति से जूझ रहे किसानों के लिए यह बारिश वरदान साबित हुई है। बुजुर्ग किसानों के अनुसार, पिछले 15 से 20 दिनों से क्षेत्र में सिर्फ 1-2 मिनट की हल्की बारिश ही हो रही थी, जो फसलों के लिए पर्याप्त नहीं थी। अब इस बारिश के बाद किसान अपनी फसलों में खाद के साथ-साथ कीटनाशक दवाओं का भी इस्तेमाल कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि बारिश के बाद कई प्रकार की बीमारियां उत्पन्न हो सकती हैं, जिनकी रोकथाम के लिए किसान अपने खेतों में आवश्यक उपायों का इस्तेमाल कर सकेंगे।

सीएचसी पर हुई अंतर विभागीय बैठक

11 से 13 अगस्त तक खिलाई जाएगी अल्बेंडाजोल दवा, फील्ड स्तर पर बेहतर समन्वय का निर्देश

भारत संवाद न्यूज नेटवर्क

अमेठी, संग्रामपुर (अमेठी) में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक नियमित टीकाकरण और राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस (एनडीडी) माह के सफल क्रियान्वयन के लिए थी। बैठक की अध्यक्षता सीएचसी अधीक्षक डॉ. संतोष सिंह ने की। इस दौरान बीडीओ अनुपस्थित रहे। बैठक में जानकारी दी गई कि 11 अगस्त से 13 अगस्त 2025 तक आशा और

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के सभी बच्चों को अल्बेंडाजोल दवा खिलाई जाएगी। जो बच्चे इस दौरान छूट जाएंगे, उन्हें 14 अगस्त को मॉप-अप राउंड के तहत दवा दी जाएगी। डॉ. संतोष सिंह ने सभी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर अभियान को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए यह अभियान अत्यंत आवश्यक है। बैठक में चिकित्सा अधिकारी डॉ. संतोष सिंह, बाल विकास परियोजना से सीडीपीओ रूपेश सरोज, खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अर्जुन कुमार शुक्ल उपस्थित थे। साथ ही एआरओ डॉ. संतोष कुमार यादव, डब्लूएचओ से मॉनिटर सुरेश द्विवेदी, बीपीएम शंभूनाथ पांडे और बीसीपीएम तीर्थराज यादव भी मौजूद रहे।

स्वामी, प्रकाशक , मुद्रक अरविंद कुमार शर्मा द्वारा एफ एल टी , एलजी 75 आर एम 4/4 इंदिरा नगर, सुंदर बाग,कुर्ला (प) मुंबई 400070 महाराष्ट्र से प्रकाशित एवं AIS PRINTING SOLUTION प्लांट नं० - A - 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एम आई डीसी माहपे नवी मुंबई , ठाणे 400709 से मुद्रित ।   संपादक - अरविंद कुमार शर्मा

EMail-bsmumbai2017@gmail.com किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय ही होगा। 8097049935,9935750291 RNI No-MAHHIN2017/74173

संपर्क का कार्यालय - 66/68 भाखरिया बिल्डिंग मीना मेहता मार्ग मोदी स्ट्रीट मुम्बई 400001

संरक्षक- डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष (हिन्दी) इलाहाबाद विश्व विद्यालय, विशेष संवाददाता- आशीष कुमार शर्मा सह, सम्पादक- माता प्रसाद शर्मा, फिल्म- संपादक- जगन्नाथ तिवारी